मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-10, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 202 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
06 जनवरी 2024
शुक्रवार

आज का मौसम

19 अधिकतम
13 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

अयोध्या में पुलिसकर्मी स्मार्टफोन का उपयोग नहीं कर सकेंगे

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री पूरे विधि विधान से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। वहीं प्राण प्रतिष्ठा से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने अयोध्या की सुरक्षा को अभेद्य किले में बदल दिया है। इसके लिए एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो और रॉ के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद भी ली जाएगी। यूपी पुलिस ने अयोध्या में 22 से 26 जनवरी तक के लिये पुलिसकर्मियों के लिए आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि समारोह में ड्यूटी देने वाले पुलिसकर्मी स्मार्ट फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। क्योंकि फोन का इस्तेमाल करते वक्त पुलिसकर्मी ड्यूटी पर ध्यान नहीं दे पाते। ज्ञात हो कि राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से कई खास से लेकर आम लोगों के साथ-साथ विपक्ष के कई नेताओं को न्योता दिया गया है।

ट्रकवालों को ऑनलाइन रिपोर्ट का अधिकार मिलेगा

नई दिल्ली। देशभर में नए हिट एंड रन कानून को लेकर बवाल मचा हुआ है। नए कानून के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने हड़ताल की। कुछ जगहों पर अभी भी हड़ताल जारी है। इस दौरान सड़क परिवहन मंत्रालय ने प्रस्ताव रखा है कि सड़क हादसा होने के बाद तुरंत बाद ड्राइवरों को ऑनलाइन रिपोर्ट करने की सुविधा दी जाएगी। इस प्रस्ताव का उद्देश्य भारतीय न्याय संहिता के हिट एंड रन के प्रावधानों के तहत सजा और मॉब लिचिंग के खतरे से ड्राइवरों को बचाना है। मंत्रालय के सीनियर अधिकारी ने कहा कि इस प्रस्ताव पर आखिरी फैसला गृह मंत्रालय का होगा।

हिट एंड रन

कोहरे का मार्च और 26 जनवरी की परेड

भोपाल समेत समूचे मप्र में कड़ाके की ठंड, कोहरा और बारिश का दौर है। इसमें भी अगले पांच दिन राहत मिलने के आसार नहीं हैं। हरियाणा के ऊपर वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने से प्रदेश में भी मौसम सर्द है। हालांकि इस कोहरे व ठंड के बावजूद 26 जनवरी पर गणतंत्र दिवस समारोह की परेड़ की रिहर्सल राजधानी के लालपरेड मैदान पर जवानों ने पूरे जोश से की। **फोटो निर्मल व्यास**

सीएम पहुंचे हरिद्वार, मप्र में होंगे और तबादले, मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण शुरू

लोकसभा चुनाव का रंग गहराया, प्रशासनिक जमावटें तेज, चुनाव आयोग का रोल भी शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव की तैयारी प्रशासनिक व राजनीतिक स्तर पर तेज नजर आने लगी है। राज्य सरकार द्वारा मैदानी व मुख्यालय स्तर पर की जा रही अफसरों की नई पदस्थापना से बढी हलचल के बीच आज से मप्र में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का काम भी शुरू हुआ है। इसके तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए छह से 22 जनवरी तक आवेदन लिए जाएंगे। माना जा रहा है कि इसके मद्देनजर भी आज या कल में बड़े पैमाने पर तबादला सूची जारी हो सकती हैं,क्योंकि प्रक्रिया तेज हो जाने के बाद अफसरों की पदस्थापना आसान नहीं होगी। सरकार नये सिरे से अडफसरों की जमावट कर रही है और शिकायत व खराब परफार्मेंस वाले अफसर हटाये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कल रीवा में समीक्षा बैठक के पहले ही मुख्यमंत्री ने रीवा के संभागआयुक्त को हटा दिया था।

इधर मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दिल्ली प्रवास पर हैं, वे रक्षमंत्री राजनाथ सिंह के साथ हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में सम्मिलित हो रहे हैं। वे हरिद्वार में ही स्वामी दर्शानंद गुरुकुल महाविद्यालय में शिलान्यास, पंचायती निरंजनी अखाड़ा और शांतिकुंज हरिद्वार के कार्यक्रमों में भी सम्मिलित होंगे। यहां से लौटने के बाद कल डा यादव उज्जैन में महाकाल दर्शन और संजीवनी क्लीनिक का शुभारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आज केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ देहरादून एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने स्वागत किया।

लहराई तलवार: मुख्यमंत्री मोहन यादव के रीवा दौरे पर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि यादव का रीवा से उनका एक नाता भी है, वो यहां के दामाद भी हैं।लिहाजा उनके स्वागत में एक अलग रंग था। ज्ञात हो कि रीवा में जन आभार यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री को उनके समर्थकों ने तलवार भेंट की। इसके बाद वो रथ से ही शूरवीरों की तरह तलवार लहराने लगे।

'शिवराज के अफसरों से बदला ले रहे सीएम'

कांग्रेस उम्मीदवारों की हार पर मंथन

इधर मप्र कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान से बदला ले रहे हैं। जिन अधिकारियों को शिवराज ने तैनात किया था, उन्हें हटा रहे हैं। देर शाम सतना में पटवारी ने यह बात कही लेकिन यह भी जोडा 'हालांकि कांग्रेस का इससे कोई लेना-देना नहीं है और ये मुख्यमंत्री का अधिकार है।' आज कांग्रेस के विस चुनाव में हारे उम्मीदवारों की बैठक हो रही है,इसमें हार के कारणों पर विस्तार से बात की जा रही है। वहीं पार्टी महासचिव व मप्र प्रभारी जितेंद्र सिंह,जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे 9 से 12 जनवरी तक दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर जिले का चार दिवसीय संयुक्त दौरा करने निकल रहे हैं।

झांसी में कोहरे के चलते हादसा, चार मौत

झांसी एजेंसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में घने कोहरे के बीच सड़क हादसा हो गया, मऊरानीपुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई, जिससे मूंगफली बेचकर घर जा रहे ट्रैक्टर सवार तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर टैक्सी पलटने से एक की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए। बताते हैं कि टीकमगढ़ मार्ग पर घने कोहरे के कारण चालक अचानक संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर पलट गया।

महादेव एप का आरोपी बोला सीएम के लिए भेजा पैसा

रायपुर एजेंसी। महादेव एप सट्टेबाजी मामले में जेल में बंद कैश कूरियर असीम दास ने दावा किया है कि महादेव एप का पैसा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के लिए ही भेजा गया था। वह अपने पूर्व के बयान पर आज भी कायम है। दरअसल, ईडी ने पिछले दिनों कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान में इसका उल्लेख किया है। इससे पहले 12 दिसंबर को दास ने अदालत में कहा था कि उसे एक साजिश के तहत फंसाया गया है और उसने कभी किसी को नकदी नहीं दी थी। दास ने स्वीकार किया कि तीन नवंबर का बयान किसी ऐसे व्यक्ति के प्रभाव में दिया गया था, जो उनके वकील के साथ आया था। उस व्यक्ति ने उन्हें एक पूर्व टाइप किया हुआ दस्तावेज़ दिया और इसे अपनी लिखावट में दोबारा लिखने के लिए कहा था। वह हस्ताक्षरयुक्त पत्र ही ईडी के डायरेक्टर को भेजा गया था और कोर्ट में भी दिया गया था।

हवाईजहाज की खिड़की टूटी, आपात लैंडिंग

नई दिल्ली एजेंसी। अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस की फ्लाइट जब उड़ान भर रही थी तो आसमान में उसकी खिड़की का एक हिस्सा टूटकर हवा में उड़ गया। इसके बाद यात्रियों में हडकंप मच गया और फिर विमान की अमेरिका के ओरेगॉन में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। अभी यह साफ नहीं हो सका है कि इस दौरान कोई घायल हुआ है या नहीं। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय विमान में 174 यात्री और छह चालक दल सवार थे। एयरलाइन ने कहा कि वे घटना की जांच कर रहे हैं। विमान को 174 मेहमानों और 6 चालक दल के सदस्यों के साथ पोर्टलैंड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड किया गया है।

भारतीय कमांडो को देखकर भाग खड़े हुए समुद्री लुटेरे

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय नौसेना ने बहादुरी की जो नई मिसाल पेश की है, उसकी तारीफ अब हर जगह है। दरअसल अब इस पूरी घटना के नौसेना ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। वीडियो में कमांडो जहाज पर जाते और ऑपरेशन को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहे हैं। ज्ञात हो कि कल उत्तरी अरब सागर में हाईजैक हुए मालवाहक जहाज 'एमवी लीला नॉरफॉक' में समुद्री लुटेरों के चंगुल में फंसे सभी 21 लोगों को बचा लिया गया, इन लोगों में 15 भारतीय भी शामिल हैं। जहाज पर सवार लोगों को सुरक्षित निकाले जाने के बाद मरीन कमांडोज जांच पड़ताल कर रहे हैं। मार्कोस कमांडो ने बताया कि सूचना मिली थी कि जहाज पर हथियार से लैस पांच से छह लोग सवार हैं। जहाज का पता लगाने के लिए तुरंत एक युद्धपोत, समुद्री गश्ती विमान पी-8 आई और लंबी दूरी के 'प्रीडेटर एमक्यू-बी ड्रोन' को तैनात किया गया। सोमालिया के तट पास अगवा पोत को घेर लिया था। मार्कोस कमांडो अगवा पोत पर उतरे और ऊपरी डेक, मशीनरी डिब्बों और रहने की जगहों पर तलाशी ली तो कोई लुटेरा वहां मौजूद नहीं था।

मेट्रो एंकर | **मामला मप्र का : हैरान रह गई अदालत, सुनवाई के बाद सीजेआई से पूछा-वापस ले जाऊं**

सीजेआई के सामने शराब की बोतलें लेकर पहुंचे वकील!

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट में कुछ ऐसा हुआ कि भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ भी हैरान रह गए और बाद में हंस भी पड़े। दरअसल, सुनवाई के दौरान उनके सामने व्हिस्की की दो बोतलें पेश कर दी गई। यह बोतलें पेश करने वाले थे, भारत के पूर्व अटार्नी जनरल व वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी। वहीं, जिस मामले की सुनवाई के लिये अदालत बैठी थी, वह दो शराब कंपनियों के बीच ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद को लेकर था। सीजेआई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की यह पीठ मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने इंदौर की कंपनी जेके एंटरप्राइजेज को 'लंदन प्राइड' नाम के तहत बेवरेज बनाने से रोकने के लिए शराब कंपनी पेरनोड रिकर्ड की अपील को खारिज कर दिया था। जब सुनवाई शुरू हुई तो वरिष्ठ रोहतगी ने पीठ से अनुरोध किया कि उन्हें अदालत के अंदर शराब लाने की अनुमति दी जाए। इसके बाद रोहतगी ने व्हिस्की की दो बोतलें अपनी मेज पर रखीं जहां से वह बहस कर रहे थे। इस हैरान कर देने वाले सीन को देखकर सीजेआई जोर से हंसे और कहा, 'आप अपने साथ बोतलें लाए हैं?' रोहतगी ने इसका हां में जवाब दिया। वह बोले कि उन्हें दोनों उत्पादों के बीच समानता दिखानी होगी। फिर उन्होंने बताया कि इस मामले में ट्रेडमार्क का उल्लंघन कैसे हुआ।

सीजेआई ने तब टिप्पणी की, 'यहां मुद्दा ट्रेड ड्रेस के बारे में है। बॉम्बे में मेरे एक फैसले में इस पहलू को शामिल किया गया है जिसमें बोतल का आकार शामिल था।' इसके बाद पीठ ने एक नोटिस जारी कर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। मामले की सुनवाई दो सप्ताह के बाद तय की गई है। इसके बाद रोहतगी ने सीजेआई से पूछा कि क्या वह बोतलें अपने साथ ले जा सकते हैं। सीजेआई ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हां, बिल्कुल।' तीन जजों की इस पीठ में चंद्रचूड़ के साथ जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा भी थे।

ब्लेंडर्स प्राइड-लंदन प्राइड: पिछले साल नवंबर में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इंदौर की जेके एंटरप्राइजेज को 'लंदन प्राइड' ट्रेडमार्क के तहत बेवरेज बनाने से रोकने के लिए शराब कंपनी पेरनोड रिकर्ड की अपील को खारिज कर दिया था। रिकर्ड ने जेके एंटरप्राइजेज के खिलाफ अस्थायी निषेधाज्ञा के लिए अदालत से अनुरोध किया था। ऐसा यह दावा करते हुए किया गया था कि उसने 'ब्लेंडर्स प्राइड' ट्रेडमार्क और 'इंपीरियल ब्लू' बोतल की उपस्थिति का उल्लंघन किया है।

आज का कार्टून

भोपाल में बारिश के साथ कड़ाके की ठंड

भोपाल। राजधानी में बारिश के साथ ही कड़ाके की ठंड दस्तक दे दी है। बूंदाबांदी और बारिश का सिलसिला भोपाल में जारी रहा। पानी गिरने के कारण ही कड़ाके की सर्दी भी बढ़ गई। भोपाल में तो मानसून की तरह तेज बारिश हो चुकी है। घना कोहरा छाया रहा। इसके चलते दृश्यता घटकर 50 मीटर से भी काम रह गई। रायसेन, सीहोर और सागर समेत कई जिलों में भी बारिश हुई है। आधे से अधिक प्रदेश में मावठा गिरने से ठिठुरन बढ़ गई है।

बूंदाबांदी की शाम...

सुबह का कोहरा

राष्ट्रीय बाल आयोग अध्यक्ष ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र, 7 दिन में रिपोर्ट मांगी

बाल आयोग ने किया औचक निरीक्षण, बिना पंजीयन चल रहा था बालगृह, हुई एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय बाल आयोग और मप्र बाल आयोग की टीम द्वारा बालगृहों के औचक निरीक्षण के दौरान परवलिया सड़क थाना क्षेत्र में बिना पंजीयन चलते पाए गए आंचल बालगृह के प्रबंधन के खिलाफ आयोग ने एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके साथ ही राष्ट्रीय बाल आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने मुख्य सचिव मप्र शासन को पत्र लिखकर कार्रवाई के साथ ही 7 दिन के भीतर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय बाल आयोग अध्यक्ष ने प्रमुख सचिव से रिपोर्ट में बालगृह में रह रहे सभी नाबालिग बच्चों की आयु एवं मूल पते की जानकारी मांगी है। इसके साथ ही बालगृह में रह रहे सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर आयोग को रिपोर्ट, मप्र राज्य में स्थित ऐसे सभी बालगृह जो चाइल्डलाइन चलाने वाली संस्थाओ द्वारा चलाए जा रहे है, उनकी जानकारी भी मांगी है।

पुलिस ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने में काफी विलंब किया

आयोग के पत्र में कहा है कि निरीक्षण के दौरान बालगृह के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि बालगृह में रहने वाले बच्चों को चाइल्ड इन स्ट्रीट मिच्चेशन से रेस्क्यू कर बिना बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत किये बालगृह में रखा जा रहा है। यह बालगृह पूर्व में रेलवे चाइल्डलाइन चलाने वाली संस्था चला रही है। आयोग के हस्तक्षेप के उपरांत संबंधित पुलिस ने इस प्रकरण में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने में काफी विलंब किया। आयोग के लगातार हस्तक्षेप करने पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई।

यह है पूरा मामला

दरअसल, बीते गुरूवार देर रात बाल आयोग की टीम द्वारा राजधानी के विभिन्न बालगृहों का औचक निरीक्षण किया गया था। इस दौरान टीम परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित आंचल बालगृह पहुंची थी। टीम को यहां में कई खामियां मिली। मामले में आयोग द्वारा मुख्य सचिव को लिखे पत्र में खुलासा हुआ है कि निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ऑचल बालगृह न तो पंजीकृत है और न ही मान्यता प्राप्त है। बालगृह में मिली सूची में 68 निवासरत बच्चियां दर्ज थी, लेकिन निरीक्षण के दौरान सिर्फ 41 बालिकाएं मौजूद थी। यह सभी बालिकाएं बाल कल्याण समिति के आदेश के बिना रह रही हैं।

सीनियर सिटीजन इलेक्ट्रिक हैमर मशीन से परेशान, कलेक्टर से जवाब-तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल जिले दो मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। इलेक्ट्रिक हैमर मशीन से खुदाई होने से सीनियर सिटीजन के परेशान होने के मामले में आयोग ने कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही के संबंध में 15 दिन में जवाब मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि गुलमोहर स्थित सहकारी परिसर और सहकार नगर के बीच एलपीजी लाईन के लिये की जाने वाली खुदाई, शाम होने के बाद भी इलेक्ट्रिक हैमर मशीन से की जा रही है। जिससे वहां रहने वाले सीनियर सिटीजन को कई परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है।

दोनों पैर फ्रैक्चर, शिकायत करने स्ट्रेचर पर पहुंचा थाने: भोपाल शहर के बैरागढ़ थानाक्षेत्र में अपनी एचआईआर दर्ज कराने के लिये एक पीड़ित को स्ट्रेचरर से आने का मामला सामने आया है। मामले में आयोग ने संज्ञान लेकर पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़ित के साथ स्टेशन रोड पर मारपीट हुई थी, जिसमें उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गये थे। वह चलने में असमर्थ था। परिजन द्वारा उसे ईलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया। घटना की शिकायत करने जब उसने बैरागढ़ थाने में फोन किया तो, उसे खुद थाने में आने के लिये कहा गया।

22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि 22 जनवरी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन मध्यप्रदेश में शासकीय कर्मचारी, अर्ध शासकीय कर्मचारी व अनियमित कर्मचारियों के लिए भी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए ताकि कर्मचारी राम की प्राणप्रतिष्ठा में शामिल हो सके। कर्मचारी मंच भी 10 जनवरी से एक दीप राम के नाम अभियान चलाएगा।

24 मतदाताओं ने टेंडर वोट से मतदान किया

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के 8 जनवरी को होने जा रहे चुनाव में 24 मतदाताओं ने टेंडर वोट डाले यह सभी 8 जनवरी को भोपाल आवश्यक के कारण से भोपाल के बाहर रहेंगे मतदान करने वाले मतदाताओं में 16 पुरुष तथा 6 महिला अधिवक्ता हैं। चुनाव प्रक्रिया सौहाद्रपूर्ण वातावरण में होने पर मुख्य चुनाव अधिकारी रवींद्र तिवारी सब अधिवक्ताओं और चुनाव समिती का आभार माना।

संबद्धता शुल्क बढ़ाने का विरोध कर रहे निजी कॉलेज, पुनः विचार की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरतकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा निजी कॉलेजों के संबद्धता शुल्क में बढ़ोत्तरी की गई है। जिसके आदेश जारी होने के बाद अब निजी कॉलेज इस बढ़ोत्तरी का विरोध कर रहे हैं। निजी कॉलेजों ने संबद्धता शुल्क बढ़ाए जाने के विरोध में उच्च शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है और मांग की है कि सम्बद्धता शुल्क के विषय पर विवि द्वारा जारी ऑडिनेन्स नियमानुसार पुनः विचार कर उचित निर्णय लिया जाए। इसके साथ ही निर्णय तक पूर्व दर से सम्बद्धता शुल्क लिया जाए।

इसको लेकर समस्त अशासकीय महाविद्यालय प्रबंधन संघ के अध्यक्ष ने उच्च शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है। इस पत्र में कहा है कि बीयू द्वारा 20 जून 2023 को जारी अधिसूचना में समन्वय समिति की 100वीं बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार बीयू क्षेत्राधिकार में संचालित महाविद्यालयों की सत्र 2023-24 से सम्बद्धता शुल्क विगत वर्ष की अपेक्षा 1000 प्रतिशत तक बढा दी गई ह, जो अनुचित एवं अवैधानिक है। एलएलबी के लिए सत्र 2024-23 में 2 लाख, एलएलम व बीएड के लिए ढाई लाख, एमएड के लिए तीन रूपए संबद्धता शुल्क किया गया है। उक्त सम्बद्धता शुल्क बढ़ोतरी करते समय महाविद्यालयों से किसी भी प्रकार का कोई सुझाव नहीं लिया गया है। इस प्रकार की अनुचित एवं अवैधानिक सम्बद्धता शुल्क बढ़ोतरी से महाविद्यालय पर अधिक आर्थिक बोझ डाल दिया गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर कहा-निर्णय तक पूर्व दर से सम्बद्धता शुल्क लिया जाए

परंपरा, आदर्शों व जीवन मूल्यों से जुड़ना आवश्यक: प्रो.त्रिपाठी

भोपाल। हमें अपनी परंपरा, आदर्शों व जीवन मूल्यों से जुड़ना आवश्यक है। मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्द्धन में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमारा देश मानवीय मूल्यों एवं संस्कृति के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। यह बात राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने कही। एनआईटीटीटीआर में शुक्रवार को सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों (यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज) विषय पर प्रो. एच.डी. चारण का व्याख्यान आयोजित किया गया।

सदभाव की समझ विकसित करना ही संस्कार हैन्बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति एवं एआईसीटीई की यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज विषय की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन प्रो. एच. डी. चारण ने कहा कि मानवीय आचरण से जीने की योग्यता विकसित करना ही जीवन का प्रमुख उद्देश्य होने चाहिए। मानवीय मूल्यों की शिक्षा हम सभी में संस्कारों, दृष्टिकोणों व व्यवहार को सुदृढ़ करने में सहायक होती हैं। इसका उद्देश्य न केवल ज्ञान प्रदान करना हैं, बल्कि मनुष्यों में सहानुभूति, सम्मान व दयालुता के गुणों को विकसित कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का हैं। सम्पूर्ण मानव सभ्यता का शांतिपूर्ण सहअस्तित्व मानवीय मूल्यों के अनुपलम पर ही टिका हुआ है।

मेट्रो एंकर विस्थापितों की लीज नवीनीकरण, पट्टों के मालिकाना हक का मामला

नई सरकार से समस्या हल होने की उम्मीद, रूकी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी?

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी विस्थापितों की लीज नवीनीकरण एवं पट्टों की रूकी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए सिंधी समाज का प्रतिनिधि मंडल मोहन सरकार में विभागीय मंत्री नियुक्ति होने के बाद मुलाकात करेगा। उम्मीद जताई जा रही है शिवराज सरकार में शुरू हुई प्रक्रिया नई सरकार पूरी करेगी।

बता दे संतनगर में विभाजन के समय आए सिंधी समाज के पट्टों के मालिकाना हक का मामला सात दशक से अधिक समय से अटका हुआ है। शिवराज सरका में न्यूनतम शुल्क पर समस्या के हल की घोषणा की गई थी, लेकिन पूरी नहीं हो पाई है। लोग शपथ पत्र लेकर सिंधी विस्थापितों को मालिकाना हक देने की मांग कर रही हैं।

लीज नवीनीकरण का मामला

सिंधी विस्थापितों के पट्टे के मामले के अलावा उपनगर की तीन पाश कॉलोनियों के लीज नवीनीकरण का मामला भी अटका हुआ है जबकि सोसाईटियो पर जो बकाया राशि थी उसे जमा कर दिया है फिर भी प्रकरणो का निराकरण समय सीमा में नहीं हो रहा है। सिंधी विस्थापितों की लीज नवीनीकरण के मामले में अटके हुए हैं। तीन गृह निर्माण समितियों के 500 मामलों में लीज नवीनीकरण होना है। मामले में प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन चुनाव अचार संहिता के चलते नवीनीकरण नहीं हो सका है।

नवीनीकरण के मामले विधायक रामेश्वर शर्मा, अधिकारियों और प्रमुख लोगों के बीच बैठक के बाद आवेदन प्रक्रिया शुरू अटकी हुई है। चुनाव आचार संहिता के पहले आवेदन भरवाए गए थे। चुनाव के बाद अब मामले में आगे बढ़ने की उम्मीद लोगों को है। क्षेत्र का फिर से विधायक रामेश्वर शर्मा के बनने से लोगों का कहना है, मामला सुलझ जाएगा।

घोषणा जल्द पूरी हो

जो प्रक्रिया रूकी है और जिस तरह निराकरण की घोषणा शिवराज सिंह ने की थी, उसी तरह आगे बढ़ना चाहिए। नई सरकार में विभागीय मंत्री के सामने यह मांग रखी जाएगी। कोई नई प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए।

साबू रीझवानी, अध्यक्ष पूज्य सिंधी पंचायत

नवीनीकरण और मालिकाना हक को लेकर घोषणा हो चुकी है। भाजपा की ही नई सरकार आई है। शपथ पत्र के आधार पर समस्या का हल होना चाहिए। मामले में नई सरकार से सिंधी समाज को प्रतिनिधि मंडल मिलेगा।

विष्णु गेहानी, समाजसेवी

गिद्धों की गणना की तैयारी पूरी, अब घड़ियाल भी गिने जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में गिद्धों की गणना की तैयारी पूरी हो गई है। यह गिनती फरवरी के शुरुआत में होगी। इसी माह चंबल अभयारण्य में घड़ियालों की गिनती भी होगी। इस बार गिद्ध और घड़ियालों की गिनती में ज्यादा सावधानी बरती जानी है ताकि शत–प्रतिशत गिद्ध और घड़ियालों को गिना जा सके। असल में मप्र में

9000 से अधिक अधिक गिद्ध है, ये करीब 1800 से अधिक स्थानों पर पाए जाते है। बीते एक साल से इनकी संख्या के और बढ़ने के अनुमान है। कुछ नई साइट भी मिली है, जहां गिद्धों की मौजूदगी है। प्रदेश के सभी वन मंडल, टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्कों में अमले को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उधर घड़ियाल अभयारण्य में भी अमले को प्रशिक्षित किया जा रहा है। हालांकि यहां वन विभाग के पास एक नया संकट यह है कि कई प्रशिक्षित वनकर्मी बीते एक वर्ष में रिटायर्ड हुए है, जो कि वर्षों से घड़ियाल गिनती में अहम योगदान दे रहे थे। अब अधिकारियों के लिए ऐसे अमले की भरपाई करना मुश्किल हो रहा है।

नाकेदारों को नई सरकार से न्याय की उम्मीद

प्रदेश के अलग–अलग जिलों में नाकेदारों को मिल रहा अलग वेतन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के हजारों नाकेदारों को नई सरकार से न्याय की उम्मीद है। ये वेतन में किए जा रहे भेदभाव से परेशान है। कुछ नाकेदारों को नियम के अनुसार वेतन भुगतान किया जा रहा है तो कुछ को नियम से कम भुगतान हो रहा है। जिसके कारण ये खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। यह स्थिति पिछले कई सालों से बनी हुई है। वर्तमान में भोपाल समेत आसपास के जिलों के हजारों नाकेदारों को कम वेतन मिल रहा है, जबकि इनसे बाद में सेवा में आए नाकेदारों को जबलपुर, सागर, सिवनी में अधिक वेतन मिल रहा है।

इधर, अधिकारी है कि इस भेदभाव को दूर ही नहीं कर पा रहे हैं। कई अधिकारियों को तो पता ही नहीं चल रहा है कि प्रदेश के किस जिले में नाकेदारों को कितना वेतन मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि नाकेदारों को प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मूल वेतन 5680 व ग्रेड-पे 1900 मिलना चाहिए। पूर्व के वर्षों में इसका आदेश भी हो चुके हैं। सिवनी, सागर व जबलपुर समेत अन्य जिलों में इसी अनुरूप वेतन भुगतान किया जा रहा है लेकिन भोपाल, नर्मदापुरम समेत कुछ जिलों में प्रशिक्षण के उपरांत 5410 व ग्रेड-पे 1900 के अनुरूप वेतन भुगतान किया जा रहा है, जिसे नाकेदार और उनसे जुड़े संगठन भेदभाव बता रहे हैं।

नाकेदारों के हितों में लड़ाई लड़ने वाले रामयश मौर्य, नीलम सिंह ठाकुर व अन्य का कहना है कि सितंबर 2014 के पहले तक नाकेदारों को दो अलग-अलग वेतनमान मिलता था, जिसे एक में समाहित कर तय किया था कि 1800 ग्रेड-पे के स्थान पर 1900 का लाभ दिया जाएगा। 8 सितंबर 2014 को वेतनमान उन्नयन की अधिसूचना भी जारी की थी। 1 जनवरी 2006 से 8 सितंबर 2014 के बीच भर्ती होकर इस अवधि में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले नाकेदारों को मूल वेतन 5680 व ग्रेड-पे 1900 स्वीकृत किया था। जब सातवां वेतनमान लागू हुआ तो कोषालय ने इसका अनुमोदन भी किया था और बाद में इसे निरस्त कर दिया। तभी से भोपाल, नर्मदापुरम समेत अन्य जिलों में नाकेदारों के साथ भेदभाव की स्थिति बनी हुई है।

48 हजार स्थाईकर्मी चिकित्सा प्रतिपूर्ति सुविधा से वंचित, मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर की मांग

भोपाल। स्थाई कर्मियों को भी उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में शासकीय चिकित्सा प्रतिपूर्ति का लाभ देने से करीब 48 हजार स्थाई कर्मियों को लाभ मिल सकता है। यह बात कर्मचारी मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे ने कही है और मुख्यमंत्री को इस आशय का ज्ञापन दिया है। इसमें कहा गया है कि उच्च न्यायालय जबलपुर ने अपने एक आदेश में निर्णय दिया है कि प्रदेश सरकार की शासकीय नियमित कर्मचारी ही नहीं प्रदेश के अनियमित स्थाई कर्मियों को भी परिवार सहित चिकित्सा प्रतिपूर्ति का लाभ दिया जाए। खंडपीठ के जस्टिस विनय सराफ ने बीज विकास निगम के कर्मचारी आनंद बारी की याचिका में आदेश दिया कि सिविल सर्विस (मेडिकल सेवा) नियम 1998 की कांडिका(1/2) में प्रावधान है कर्मचारी चाहे वह सेवा में हो प्रति नियुक्ति पर हो अवकाश पर या निलंबित हो उन्हें चिकित्सा प्रतिपूर्ति का लाभ दिया जाना चाहिए।

वनरक्षकों ने किया जनजागरण – इधर, देवेभो कर्मचारी से वनरक्षक पद पर नियमित हुए वनरक्षकों ने पदोन्नति एवं पुरानी पेंशन योजना के लाभ के लिए सेवा की वरिष्ठता देने की मांग को लेकर इंदिरा निकुंज नर्सरी से जन जागरण शुरू किया है। इसके तहत मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया। बताया जाता है कि देवैभो से वनरक्षक पद पर नियमित कर्मचारियों को नियुक्ति के 16 साल बाद भी यह सुविधा नहीं दी गई है।

राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी की समय सारणी

5वीं 8वीं वार्षिक परीक्षा 6 मार्च से शुरू होगी

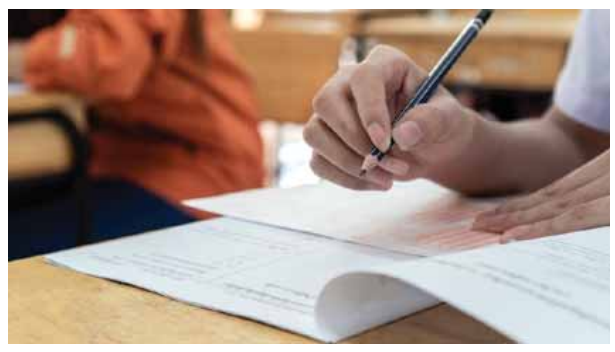

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के स्कूलों के कक्षा पांचवी और आठवीं के विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। राज्य शिक्षा केंद्र ने पांचवी और आठवीं कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाओं की समय सारणी जारी कर दी है। इन कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू होंगी और 14 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। इन परीक्षाओं में प्रदेश के सभी सरकारी, मान्यता प्राप्त निजी

14 मार्च तक चलेगी परीक्षा, दोनों कक्षाओं का पहला पेपर हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी रहेगा

और अनुदान प्राप्त स्कूल, डाइस कोड प्राप्त मदरसे शामिल होंगे। पांचवी-आठवीं कक्षा का पहला पेपर प्रथम भाषा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी विषय का रहेगा।

नवोदय विद्यालय में 6वीं में प्रवेश

20 जनवरी को होगी चयन परीक्षा, प्रवेश-पत्र हुए जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के रातीबड़ स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश के लि चयन परीक्षा-2023 20 जनवरी को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा भोपाल जिले के 10 केंद्रों पर होगी। परीक्षा के प्रवेश-पत्र ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए है। अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश-पत्र ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश-पत्र प्राप्त करने में कोई समस्या हो तो दूरभाष 0755-2896325 एवं मोबाइल नंबर 95843-59571 पर संपर्क किया जा सकता है।

कॉलेजों, जिला मुख्यालयों में उच्च शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

छात्रवृत्ति पोर्टल शुरू कराने अभाविप ने प्रदेशभर में किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्रवृत्ति के सभी पोर्टल जल्द प्रारंभ कराने के लिए शुक्रवार को प्रदेशभर के कालेजों और जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री शालिनी वर्मा ने कहा कि प्रदेश के डेढ़ लाख से अधिक विद्यार्थी आज छात्रवृत्ति संबधी विभिन्न प्रकार की योजनाएं बंद होने के कारण प्रभावित हो रहा है। विगत 6 माह से छात्रवृति का पोर्टल ठप होने के कारण इस वर्ष प्रवेश लेने विद्यार्थियों को पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति, आवास, गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण योजना का लाभ नही मिल रहा है। विद्यार्थियों को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उच्च शिक्षा विभाग छात्रहित में निर्णय कर तत्काल प्रभाव से छात्रवृत्ति के सभी पोर्टल प्रारंभ करें।

जबलपुर सहित 4 जिलों में गोवंश वन्य विहार बनाने की तैयारी

मप्र गौ संवर्धन बोर्ड ने तैयार किया प्रस्ताव, शासन स्तर पर चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में रीवा के बसामन मामा स्थान में पहला गोवंश वन्य विहार तैयार होने के बाद अब इसी की तर्ज पर जबलपुर, टीकमगढ़, मंदसौर और भोपाल-रायसेन जिले के बीच गोवंशीय पशुओं के लिए गोवंश वन्य विहार बनाने की तैयारी है। मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड ने इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इस प्रस्ताव पर शासन स्तर पर चर्चा होने के बाद अब अनुमति का इंतजार है। जिसके बाद इस योजना को जल्द ही राजस्व विभाग द्वारा भूमि उपलब्ध कराने के बाद इनका काम शुरू किया जाएगा।

महाविद्यालयीन प्राध्यापक ने की उच्च शिक्षा मंत्री से मुलाकात: भोपाल। विलंबित मांगों को लेकर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से शुक्रवार को मप्र प्रांतीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर कैलाश त्यागी के नेतृत्व में प्राध्यापक संघ के पदाधिकारियों ने उच्च शिक्षा मंत्री के आवास कार्यालय पहुंचकर उन्हे नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संघ की ओर से विलंबित मांगों के सन्दर्भ में एक ज्ञापन सौंपा गया।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

मेट्रो एंकर — जनवरी सरकार की, फरवरी से हिसाब मांगेगी कांग्रेस

पटवारी ने कहा- वादे पूरे नहीं कर रही भाजपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि लोकतंत्र में जिसे ज्यादा मत मिलते हैं, वह जीतता है। हम चुनाव परिणाम को सिर माथे पर लेते है पर जनवरी भाजपा सरकार की है और जनवरी के बाद कांग्रेस पार्टी विपक्ष की जिम्मेदारी निभाएगी और एक-एक घोषणा पर हिसाब लेगी।

पटवारी ने जबलपुर में मीडिया से कहा कि भजापा ने जनता से वादा किया था कि लाडली बहना योजना में बहनों को 3000 रू. प्रति माह दिए जाएंगे, किसानों से 3100 रू. प्रति क्विंटल धान और 2700 रुपए प्रति क्विंटल के रेट से गेहूं की खरीद की जाएगी, इसके अलावा रसोई गैस का सिलेंडर 450 रुपए में दिया जाएगा। लेकिन चुनाव परिणाम आए एक महीना हो चुका है। अब तक सरकार ने कोई भी वादा नहीं निभाया है। विधानसभा सत्र में मुख्यमंत्री ने भाजपा का वचन पत्र हाथ में लेकर कहा था कि यह हमारी रामायण और गीता है तो मैं जानना

चाहता हूं कि दो-तीन दिन पहले जबलपुर में कैबिनेट की जो बैठक हुई उसमें इस रामायण और गीता का एक भी वचन पूरा करने का फैसला क्यों नहीं लिया गया पटवारी ने कहा कि जबलपुर कैबिनेट बैठक के दिन ही खबर आई थी कि सरकार जनवरी से लेकर मार्च के बीच में 28,500 करोड रुपए कर्ज लेगी।

सुविचार

''दिल पर हरगिज़ ना लीजिये अगर कोई आपको बुरा कहे, कायनात में ऐसा कोई है ही नही जिसे हर शख्स अच्छा कहे।''

– अज्ञात

l ikndh;

ईमानदारी के दावे और जांच

देश के दो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अरविंद केजरीवाल इन दिनों जांच एजेंसी ईडी की रडार पर हैं,लेकिन दोनों ही इस एजेंसी के वजूद को लगभग नकारते नजर आ रहे हैं। इसके राजनीतिक कारण भी हैं और कुछ इस एजेंसी का अत्यधिक सक्रिय होना तथा गैर भाजपाई नेताओं पर टूट पड़ना भी है। हालांकि जब भी किसी राजनेता पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं तो वह संबंधित जांच एजेंसी को ही कठघरे में खड़ा करने लगता है। अगर संबंधित राजनेता किसी राज्य की कमान संभाले हुए हो तो वह अपने पक्ष में पूरे तंत्र को खड़ा कर देता है। दिल्ली और झारखंड के मुख्यमंत्री यही पैंतरा आजमा रहे हैं। अवैध खनन में धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड के सीएम सोरेन को सात बार समन भेजे हैं। मगर वे किसी न किसी बहाने उसमें सहयोग करने से बचते रहे हैं। उन्होंने पार्टी, विधायकों और मंत्रियों की बैठक बुला कर समर्थन हासिल कर लिया है कि अगर प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई करता है, तो भी वही मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। यही कवायद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कर चुके हैं। उन पर कथित दिल्ली शराब घोटाले में सहयोग करने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय उन्हें तीन बार पूछताछ के लिए बुला चुका है, मगर वे उसके नोटिस को ही प्रश्नांकित कर चुके हैं। वे और उनकी पार्टी लगातार इसके पीछे केंद्र सरकार की गलत मंशा बताते रहे हैं। नियम कायदे से आरोपी को जांच एजेंसियों के सवालों का जवाब देकर साबित करना होता है कि वह निरपराध है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय लंबे समय से दिल्ली शराब घोटाले और झारखंड में अवैध खनन से जुड़े मामलों की जांच कर रहा है। उसे कुछ तो तथ्य हाथ लगे होंगे, जिनके आधार पर उसने दोनों मुख्यमंत्रियों को पूछताछ के लिए तलब किया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी कहते रहे थे कि शराब घोटाले में उनका कोई हाथ नहीं है, मगर प्रवर्तन निदेशालय के सवालों पर वे अपने बचाव में उचित तथ्य पेश नहीं कर सके। अब बेशक आम आदमी पार्टी उन्हें बेकसूर और साजिश के तहत फंसाया गया बता रही हो, पर अदालत ने भी माना है कि वे संदेह के दायरे से बाहर नहीं हैं। इसलिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस तर्क में कोई दम नजर नहीं आता कि केंद्र सरकार उन्हें जेल भेजना चाहती है। जब तक ईडी के आरोपों को तथ्यों के जरिए बेबुनियाद नहीं ठहरा देते, वे सवालों के घेरे में बने रहेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री से इसलिए भी सवालों का सामना करने की अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी पार्टी के गठन के दिन से ही दावा करते नहीं थकते कि उनकी पार्टी कट्टर ईमानदार है। ईमानदारी का प्रमाण इसका जुबानी एलान नहीं हो सकता। उसे सबूतों के साथ पेश करना पड़ता है। पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली सरकार के अनेक फैसले और योजनाएं अनियमितताओं के आरोप झेल रही हैं। मुख्यमंत्री और उनके मंत्री दावा करते हैं कि हर काम उन्होंने पारदर्शी तरीके से किया है। अगर ऐसा है तो जांच से भागने की जरूरत क्या है। जनहित से जुड़े मामलों में लगे भ्रष्टाचार के आरोप राजनीतिक रंग दे देने से समाप्त नहीं हो जाते। बात फिर घूमफिरकर वहीं आती है कि जांच एजंसियों की विपक्षी दलों के नेताओं के मामले में फौरन ?सक्रियता उसके कामकाज के तरीके सवाल लगाती है। पिछले कुछ वर्षों में कई गंभीर सवाल उठे भी हैं, पर सोरेन और केजरीवाल इससे बचे बिना कैसे खुद को पाक साफ साबित कर सकेंगे।

तरक्की के आंकड़ों संग सुधरे देश की सेहत

देविंदर शर्मा

यदि आजादी के 76 साल बाद भी, 74 फीसदी से भी अधिक भारतीय स्वास्थ्यवर्धक भोजन का खर्च उठाने में सक्षम नहीं हैं तो कुछ तो है जो गलत हो रहा है। यह भी तब जबकि देश दुनिया की सबसे तेज गति से तरक्की कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और संवृद्धि दर अनुमानों के लिहाज से जिन्हें यह लगभग हासिल कर ही लेगा, लगभग 2027 तक भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था का आकार जो भी हो, और वह भी अधिकांश अस्वस्थ आबादी से निर्मित हो तो वह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि ग्रोथ मैट्रिक्स यानी संवृद्धि का सांचा देश के स्वास्थ्य से मेल नहीं खाता है।

यह निश्चित तौर पर चिंताजनक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' की अवधि पांच साल और बढ़ाने की घोषणा की, जिसके तहत 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलना जारी रहेगा, तो इससे पूरी तरह स्पष्ट था कि सरकार ने जरूरत समझी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत निर्धारित 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत पर सब्सिडी वाले खाद्यान्न, जिसके हकदार गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोग हैं, के अलावा 5 किलोग्राम मुफ्त राशन भी दिया जाये। क्योंकि एनएफएसए आबादी के 67 प्रतिशत हिस्से की जरूरत पूरी करता है, इसके साथ ही अन्य 10 फीसदी भाग ऐसा है जिसके खुराक के स्तर को बेहतर बनाने की तुरंत जरूरत है।युक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने अपने खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्रीय अवलोकन 2023 में ये हैरान कर देने वाले आंकड़े उजागर किये। यह वर्ष 2021 के लिए अनुमानों पर आधारित था, जो महामारी का साल था, परंतु अध्ययन बताता है कि क्षेत्र का उसी तरह के प्रभावों के फैलाव से ग्रस्त रहना जारी है। निराशाजनक रूप से, रिपोर्ट बताती है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पोषण के लिहाज से 37.07 करोड़ गरीब लोग मौजूद हैं जो वैश्विक स्तर पर कुपोषित जनसंख्या के आधे से ज्यादा है। भारत के अलावा पाकिस्तान में 82.8 प्रतिशत और बांग्लादेश में 66.1 फीसदी आबादी कुपोषित है। जबकि नेपाल में 76.4 फीसदी, श्रीलंका में 55.5 फीसदी और भूटान में 45.2 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषण से ग्रस्त है। इस तरह से दक्षिण एशियाई क्षेत्र वैश्विक अल्पपोषित मानचित्र पर हावी है।

एफएओ की रिपोर्ट यह भी बताती है कि देश की 53 प्रतिशत महिलाओं में रक्ताल्पता की समस्या है, और पांच साल से कम आयु के 31.7 फीसदी बच्चों की हाइट उम्र के लिहाज से कम है, इसके साथ ही 18.7 प्रतिशत बच्चों का वजन तकनीकी तौर पर उनकी ऊंचाई के अनुरूप कम है। रोचक बात यह है कि यही अनुमान पूर्व में वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में चिन्हित किये गये थे जिन्हें भारत ने यह कहकर नकार दिया था कि इनके लिए अपनाई गयी कार्यप्रणाली सही नहीं है। जबकि एफएओ का कहना है कि जब तक बढ़ रही आय का स्तर बढ़ रही खाद्य कीमतों के बराबर नहीं होता है, अस्वास्थ्यकर भोजन की प्रवृत्ति घटेगी नहीं। जहां तक आय स्तर का संबंध है तो भारत की अधिकांश जनसंख्या लगातार उस स्तर पर है जो सब-सहारा अफ्रीका में मौजूद है। देश के एक अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में 10 अगस्त, 2022 में प्रकाशित लेख 'फोकस ऑन द बेस ऑफ ए पिरामिड' में ये अनुमान था कि 90 करोड़ भारतीय उतनी ही आय में निर्वाह कर रहे थे जितनी आमदन सब सहारा अफ्रीका में है। इतने निम्न आय स्तर के साथ, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि के बावजूद जारी है, अस्वास्थ्यकर खुराक कायम रहेगी। इसे प्रमाणित करने के लिए, विश्व बैंक की हालिया गणना से मालूम हुआ कि ब्रिक्स देशों में, भारत की 91 प्रतिशत आबादी 280 रुपये रोजाना (4 डॉलर प्रतिदिन) से कम में जीवन यापन करती थी। यह वृद्धिमान अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है, इतने ही आय स्तर पर 51 प्रतिशत आबादी के साथ दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर आता था।

स्वास्थ्यकर खुराक प्राप्त करने को लेकर, जवाब यही है कि पिरामिड की सतह पर प्रचलित आय स्तर को बढ़ाया जाये। यह मुश्किल लगता है, और कुछ तो इसे असंभव ही कहेंगे, पर हकीकत में औसत आय स्तर को बढ़ाना कठिन नहीं है। मैंने अकसर कहा है कि चूंकि ग्रामीण परिवारों का करीब 70 फीसदी हिस्सा कृषि पर आश्रित है तो खेती को व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने में ही इसका जवाब निहित है। कृषि क्षेत्र में कार्यरत जिस 47 फीसदी कार्यबल को व्यवहार्य आय स्तर से लगातार वंचित रखा जा रहा है, वे कभी पोषण से भरपूर आहार नहीं प्राप्त कर सकते हैं। कई अध्ययनों ने इंगित किया कि ग्रामीण मजदूरी जो किसी भी रूप में निम्नतम है, फिर से कम हुई या स्थिर रही। और जब गरीब परिवारों में आय कम होती है तो वे अपने द्वारा लिये जाने वाले भोजन में ही कटौती करते हैं।

महंगाई नियंत्रण के मकसद से कृषि क्षेत्र को जानबूझकर दरिद्र बनाये रखने के चलते मैक्रो इकनॉमिक नीतियों ने कृषि को व्यवहार्य विकल्प बनाने के प्रयासों को दबा दिया है। यह मुझे राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर एक त्रुटिपूर्ण ग्रंथ की याद दिलाता है जिसे नीति आयोग ने साल 2020 में देशभर में एक आम आदमी द्वारा भुगतान की जाने वाले भोजन (थाली) की लागत को मापने के मकसद से तैयार किया था। द ट्रिब्यून में 8 फरवरी, 2020 को प्रकाशित मेरे एक लेख 'थाली इकोनॉमिक्स गेट्स इट रॉन्ग' में मैंने व्याख्या की है कि कैसे थाली इकोनॉमिक्स, जैसा कि इसे कहा गया, केवल यह संदेश देने के लिए थी कि खाद्य कीमतें एक औसत आदमी की पहुंच में हैं। असल में, रिपोर्ट में यह बात चतुराई से छुपा ली गयी थी कि सस्ते खाद्यान्न उगाने के लिए किस तरह से किसानों को 'दंडित' किया जा रहा है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल इंडिया मासिक आधार पर विश्लेषण करती है, और मैंने देखा कि फोर्ब्स इंडिया मैगज़ीन 'हाउ इंडिया ईट्स' शृंखला के तहत प्रकाशित करती है। कई दूसरे अखबार भी रिपोर्ट को नियमित तौर पर छापते हैं। सितंबर, 2023 के लिए विश्लेषण के मुताबिक, प्याज-टमाटर के दाम कम होने से औसतन एक शाकाहारी थाली की लागत 27.9 रुपये थी। यह लागत उससे 17 फीसदी कम थी जो एक माह पहले एक आम शहरी को घर पर भोजन तैयार करने में पड़ती थी। इसी तरह नॉन-वेजिटेरियन थाली की लागत आंकी गयी।

यह देखते हुए कि एफएओ के खाद्य और कृषि की स्थिति (एसओएफए) 2023 के मुताबिक खाद्य उत्पादन की वैश्विक लागत 12.7 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, और भारत में छिपी हुई लागत 1.1 ट्रिलियन डॉलर मापी गई है, तो अब वक्त आ गया है कि क्रिसिल के मासिक अनुमानों पर रोक लगायी जाये। हर माह वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन थाली का चार्ट सामने लाकर असल में क्रिसिल सेहतमंद व खरे खाद्य पदार्थ पैदा करने की लागत को छुपा रही है। यह ध्यान में रखते हुए कि भारत में 74 फीसदी लोग स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन का खर्च उठाने में समर्थ नहीं हैं तो क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से व्याख्या करने के लिए जरूर कहना चाहिये कि यदि अस्वस्थ जनसंख्या का बढ़ना जारी है तो उसके द्वारा लागत को प्रदर्शित करने के प्रयास कितने प्रासंगिक हैं। किसी देश के लिए विकास का अंतिम मापक एक सेहतमंद राष्ट्र होना चाहिये।

- लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं। ये उनके अपने विचार हैं।

निशाना

लटक रही तलवार !

– कृष्णेन्द्र राय

भाग रहे हैं जांच से ।
लटक रही तलवार ।।
ना देते सहयोग ।
बोल रहे अधिकार ।।
बैठ जाओ पास में ।
करो तनिक उपकार ।।
रहे दहाड़ हर पल ।
बनते पर लाचार ।।
आ रही जो ख़बर ।
शुभ नहीं संकेत ।।
फिसले इमानदारी ।
जैसे फिसले रेत ।।
धमाचौकड़ी से केवल ।
बात न बनने वाली ।।
है करना स्पष्ट ।
ना चिल्लाओ खाली ।।

आज का इतिहास

- **2012** - सीरिया की राजधानी दमिश्क में आत्मघाती हमले में 26 लोगों की मौत, 63 घायल हुये।
- **2010** - नई दिल्ली में यमुना बैंक-आनंद विहार सेक्शन की मेट्रो रेलों का परिचालन आरंभ।
- **2008** - राज्यसभा सदस्य और बंगलुरू के उद्यमी तथा पूंजी और निवेश कंपनी जूपिटर कैपिटल के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव चन्द्रशेखर को फिक्की का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- **अमेरिका** के पश्चिमी तटीय क्षेत्र में आए तूफ़ान से भारी तबाही।
- **2007** - उत्तर प्रदेश का हिन्दी संस्थान की ओर से साहित्य के क्षेत्र में दिये जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों के अंतर्गत वर्ष 2007 के भारत भारती सम्मान केदारनाथ सिंह को प्रदान करने की घोषणा हुई।
- **2003** - रूस ने संयुक्त राष्ट्र से बिना अनुमति लिये इराक के ख़िलाफ़ सैनिक कार्वाई पर अमेरिका को चेतावनी दी।
- **1989** - इंदिरा गांधी की हत्या के दोनों दोषियों सतवंत सिंह और केहर सिंह को फाँसी दी गई।
- **1983** - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पहली बार आंध्र प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा।
- **1980** - सातवीं लोक सभा चुनाव में इंदिरा गांधी की नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को दो तिहाई बहुमत मिला।
- **1976** - चीन ने लोप नोर क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।
- **1950** - ब्रिटेन ने चीन की कम्युनिस्ट सरकार को मान्यता प्रदान की।
- **1947** - भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन स्वीकार किया।

झारखंड की सियासत क्या श्रापित है झारखंड में सीएम की कुर्सी ?

कुणाल वर्मा

प्रदेश में अब तक मुख्यमंत्री के छह चेहरे बने हैं।

शिबू सोरेन से लेकर, अर्जुन मुंडा और बाबूलाल मरांडी जैसे नेता भी पांच साल नहीं बैठ सके कुर्सी पर।

सिर्फ रघुवर दास ने जैसे-तैसे पांच साल तक पूरा किया कार्यकाल

अब हेमंत सोरेन के ऊपर मंडरा रहा खतरा।

एक साल अभी शेष है कार्यकाल पूरा करने में, गिरफ्तारी की लटकी है तलवार।

तीन बार राष्ट्रपति शासन भी लग चुका है प्रदेश में।

हेमंत सोरेन 2013-14 में भी नहीं पूरा कर सके थे कार्यकाल।

2023 में चार साल का कार्यकाल पूरा कर पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बन चुके हैं हेमंत सोरेन।

साल 2000 में बिहार से कटकर अलग राज्य का दर्जा प्राप्त करने वाले झारखंड में सियासत एक बार फिर करवट लेने को विवश दिख रही है। छोटा सा यह राज्य अपने शैशव काल से ही इसतरह की विवशता देखने का आदि हो चुका है। इस राज्य में मुख्यमंत्री की कुर्सी के साथ विवशता का विष हमेशा से ही हावी रहा है। विष का असर ऐसा कि कोई भी मुख्यमंत्री अपना कार्यकाल पूरा ही नहीं कर सका।

रघुवर दास ने जब मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल 2014 से 2019 तक पूरा किया तब लगा था कि इस कुर्सी से अपशगुन का साया हट गया है। पर एक बार फिर सियासी बयार इसी अपशगुन की तरफ इशारा कर रहे हैं कि झारखंड के मुख्यमंत्री की कुर्सी सही में शापित है।

मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपशगुन का साया इस कदर हावी रहा है कि झारखंड के बड़े नेता माने जाने वाले शिबू सोरेन और अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार मुख्यमंत्री बनने के बावजूद कभी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन दूसरी बार झारखंड की कमान संभाल रहे हैं। पर श्राप ऐसा है कि पहली बार की तरह इस बार भी उनका कार्यकाल पूरा होने की संभावना कम दिख रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी का सात बार समन मिल चुका है। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक हेमंत गुहार लगा चुके हैं। सभी जगह से निराशा हाथ लगने के बाद अब ईडी के संभावित सख्त कदम को देखते हुए हेमंत खुद ही बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। जल्द ही वह ईडी के सामने पेश होंगे। यह आशंका बलवति है कि उन्हें देर सबेर गिरफ्तार भी किया जा सकता है। ऐसे में हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री की कुर्सी अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को देने का मन बना चुके हैं। प्लॉट भी तैयार हो चुका है। बस इस पर मुहर शेष है।

हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर को अपनी सरकार की चौथी सालगिरह मनाई थी। यह चौथी सालगिरह हालांकि उनके लिए एक तरह से रिकॉर्ड ही बनाकर गई है। वह प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बन चुके हैं जिन्होंने लगातार चार साल मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली है। पर पांचवें सालगिरह का शगुन उन्हें मिल पाता है या नहीं इस पर सभी की नजर बनी हुई है।

हालांकि बुधवार तीन जनवरी को रांची में सत्ताधारी गठबंधन के विधायक दल की बैठक के बाद फिलहाल इस कयास पर विराम लग गया है। इस बैठक में तय हुआ कि नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री हैं और रहेंगे। उधर, तीन जनवरी को ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मुख्यमंत्री के करीबियों पर शिंकजा कसते हुए छापेमारी करते हुए स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आने वाले कुछ दिनों में बहुत कुछ हो सकता है।

इससे पहले साल 2023 के अंतिम दिन पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. सरफराज अहमद %पार्टी हित% में अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंप चुके हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार भी हो चुका है। वे गिरिडीह जिले के गांडेय सीट से विधायक थे। कयास लग रहे हैं कि उसी सीट से पार्टी कल्पना सोरेन को उपचुनाव में खड़ा करेगी। चुनाव की संभावना पर भी संकट के बादल हैं क्योंकि एक साल से कम का कार्यकाल बचा हुआ है। विधायक दल की बैठक में भी सरफराज अहमद भी शामिल हुए थे। जब उनसे पूछा गया कि तकनीकि तौर पर आप विधायक तो हैं नहीं फिर इस बैठक में शामिल होने क्या औचित्य था? मुस्कुराहट के साथ उन्हानें पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें बुलाया गया था इसीलिए वे शामिल हुए थे। उनकी मुस्कुराहट में बहुत कुछ छिपा था। बुधवार को ही बैठक के साथ-साथ ईडी ने भी अपने तेवर दिखा दिए हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि क्या झारखंड के मुख्यमंत्री की कुर्सी अपने श्राप से मुक्त हो पाएगी? या एक बार फिर वर्तमान मुख्यमंत्री अपना कार्यकाल पूरा किए बिना रुख्सत हो जाएंगे।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं का कलेक्टर सोनिया मीना ने लिया जायजा

सर्द रात में सड़कों पर जले अलाव, कलेक्टर ने चखा मरीजों की थाली का 'पुलाव'

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

- मरीज को निरंतर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश
- अस्पताल के एसएनसीयू, एनआरसी, ऑपरेशन सहित सभी वार्डो का किया बारीकी से निरीक्षण

नवागत कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने शुक्रवार को जिला अस्पताल पहुंचकर यहां व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने एक के बाद एक जिला अस्पताल के सभी वार्डो का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक संसाधनों और चिकित्सकों को उपलब्धता देखी। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय के भोजनशाला का भी निरीक्षण कर मरीजों के लिए बनाए जाने वाले भोजन को चखकर उसकी गुणवत्ता देखी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को निरंतर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदाय किया जाना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने मरीजों से भी चर्चा कर पूछा कि उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत तो नहीं आ रही। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में मरीजों से जानकारी ली, जिस पर मरीजों द्वारा बताया गया कि उन्हें अस्पताल में अच्छी सुविधाएं प्राप्त हो रही है। उन्होंने जिला अस्पताल में हेल्थ डेस्क का भी सुचारू रूप से संचालन करने के निर्देश दिए। ताकि मरीजों को आवश्यक जानकारी और सेवाएं प्राप्त करने में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क में व्यवस्थित रजिस्टर भी मेंटेन किया जाए।कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिला अस्पताल में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। मरीज की बेडशीट निर्धारित अंतरालों में बदले जाएं। जिला अस्पताल के मरम्मत का कार्य भी निर्धारित ठेकेदार के माध्यम से समय पर पूर्ण किया जाएं। चिकित्सक एवं स्टाफ अपने निर्धारित ड्यूटी रोस्टर के अनुसार चिकित्सालय में उपस्थित रहें। जिला अस्पताल समय-समय पर फायर ऑडिट भी कराया जाए।उन्होंने ब्लड बैंक का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने एनीमिया, थेलसिमिया एवं अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को रक्त की उपलब्धता के संबंध में जानकारी लिए एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। कलेक्टर द्वारा जिला अस्पताल में ओपीडी, हेल्पडेस्क, एसएनसीयू, आयुष्मान कक्ष, पीआईसीयू, ऑपरेशन कक्ष, एनआरसी, ब्लड बैंक, बच्चा वार्ड , महिला वार्ड, मेल वार्ड , पैथोलॉजी इत्यादि सभी वार्डो का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश दहलवार डॉक्टर राजेश महेश्वरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अत्यधिक ठंड को देख प्रमुख स्थानों पर जलाए गए अलाव

जिले में अत्यधिक ठंड को ध्यान में रखते हुए नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार नर्मदापुरम शहर के प्रमुख स्थानों पर अलाव व्यवस्था की गई है। साथ ही शहर के प्रमुख सेठानी घाट पर नर्मदापुरम परिक्रमवासियों के लिए भी अलावा व्यवस्था की गई है। कलेक्टर सुश्री मीना के निर्देशानुसार शुक्रवार को संयुक्त कलेक्टर फरहीन खान एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी नवनीत पांडे ने सेठानी घाट सहित अन्य स्थानों पर अलाव व्यवस्था का निरीक्षण किया। संयुक्त कलेक्टर फरहीन खान ने बताया कि ने नर्मदापुरम नगर में जिला अस्पताल के सामने रेनबसेरा, जिला अस्पताल में मेटरनिटी वार्ड , कोरीघाट , विवेकानंद घाट ,सेठानी घाट, बस स्टैंड के पास रैन बसेरा, रेलवे स्टेशन के पास अलाव व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार सभी नगरी निकायों में मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने क्षेत्र में अलाव व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए गए है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत छात्राओं का हुआ सम्मान

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत परियोजना सिवनी मालवा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में महिला बाल विकास विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मेधावी छात्राओं का सम्मान कार्यक्रम कर विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकार पर चर्चा,सामाजिक व आर्थिक भूमिका हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को बढ़ावा दिया जाए महिला बाल विकास पर्यवेक्षक श्रीमती मीनाक्षी लोवांशी द्वारा कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का महत्व विस्तार पूर्वक बताया गया। श्रीमती सुकिना असवारे द्वारा लिंगानुपात के बारे में चर्चा की गई श्रीमती सोनिया सैनी द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन द्वारा मेधावी छात्राओं को बधाई दी गई वह उपस्थित छात्राओं को पढ़ाई करने के लिए जोर दिया गया उन्होंने कहा आप लोग पढ़ाई में मेहनत करें अच्छे अंक प्राप्त कर सिवनी मालवा का नाम रोशन करें इसके पश्चात मेधावी छात्राओं मे अनुष्का लोवंशी ग्राम बाराखड और शिवानी लोवंशी ग्राम बगवाड़ा को ट्राफी एवं 5000 रूपये की राशि एवम्प्र माण पत्र देकर सम्मानित किया वही रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर वंशिका लोवंशी द्वितीय स्थान पर आयुषी कुशवाहा तृतीय स्थान पर सोनम कुशवाह को पुरस्कार वितरण किए गए एवं अन्य गतिविधियों के लिए भी उपहार दिए गए बालिका वैशाली द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के शीर्षक पर बहुत सुंदर गीत की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात मेधावी छात्र अनुष्का लोवंशी द्वारा उपस्थित बालिकाओं से अपने अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए किस प्रकार मेहनत की गई अनुभव साझा किए गए कन्या शाला के प्राचार्य श्याम रघुवंशी द्वारा छात्राओं को कहा गया की पढ़ाई का समय और बढ़ाया जाए क्योंकि इस वर्ष एक महा कम हो गया है पढ़ाई के लिए महिला बाल विकास प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती रेखा यदुवंशी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

जल संसाधन विभाग अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता शिवपुरी में 7 से 12 जनवरी तक

नर्मदापुरम से जल संसाधन विभाग के 90 खिलाड़ियों का दल रवाना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब द्वारा शिवपुरी में 7 जनवरी से 12 जनवरी तक 32वीं अंतर क्षेत्रीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता माधवराव सिंधिया खेल परिसर में आयोजित हो रही है क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब नर्मदापुरम के अध्यक्ष बशारत खान के नेतृत्व में शुक्रवार को 90 सदस्यीय खिलाड़ियों का दल शिवपुरी के लिए को रवाना हुआ. श्री खान ने बताया हरदा बैतूल छिंदवाड़ा तवानगर नर्मदा पुरम को मिलकर टीम में बनाई गई है. प्रतियोगिता में क्रिकेट कबड्डी फुटबॉल वॉलीबॉल शूटिंग बॉल शतरंज लॉन टेनिस टेबल टेनिस बैडमिंटन केरम सहित 100 एवं 200 मीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी क्लब के संरक्षक अधीक्षण यंत्री राजाराम मीणा अनिल पिपरे कार्यपालन यंत्री बीके जैन शैलेंद्र पिपरे प्रभारी महेंद्र उगले एन के सूर्यवंशी के आर भूमर कर शाहिद हुसैन विनय पांडे अखिलेश दातार सिंह चौहान नारायण सिंह बुंदेला ने विजेता होने के लिए शुभकामनाएं दी।

अधीक्षण यंत्री कार्यपालन यंत्री सहित अधिकारियों ने दी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं

उल्लेखनीय है उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख अभियंता शिरीष कुशवाहा भोपाल विशिष्ट अतिथि देवेंद्र कुमार देवड़ा प्रमुख अभियंता नर्मदा घाटी विशेष अतिथि कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी अध्यक्षता क्लब के प्रांतीय अध्यक्ष मनीष मां डलीक करेंगे. प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से लगभग 600 खिलाड़ी भाग लेंगे।

मावठ की बारिश से फिजा में घुली ठंडक

सिवनी मालवा। एक हफ्ते से आसमान में छाए बादल आखिरकार शुक्रवार की शाम बरस ही गए माहुठ की इस बारिश से जहा फिजा में ठंडक खोल दी है वही इस बारिश से किसानों के चेहरे भी खिल गए हैं निश्चित तौर पर फसलों के लिए यह बारिश वरदान साबित होगी। शुक्रवार की शाम 5:00 बजे के लगभग लोखर तलाई, सांटई, गंगिया, ढकनीपुरा, गुरंजघाट, रानीपुर, अमलाडा, पगडला मैं लगभग आधे घंटे जमकर बारिश हुई जिससे सड़कों से पानी वह निकाल वही सिवनी मालवा और उसके आसपास भी हल्की बारिश होती रही।वही आज भी आसमान मे बादल छाए हुए है मौसम विभाग की माने तो और भी बारिश होने की संभावना बनी हुई हैं।

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का प्रचार प्रसार

उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नर्मदा कॉलेज में कॉलेज चलो अभियान का संचालन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नर्मदा कॉलेज द्वारा कॉलेज चलो अभियान विभिन्न चरणों में प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नवीन प्रावधानों से 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अवगत कराया जा रहा है ।प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने जानकारी दी कि इस अभियान का उद्देश्य प्रवेश प्रक्रिया, विषय और करियर विकल्प तथा शासन की हितग्राही योजनाओं की जानकारी उन विद्यार्थियों विशेष कर छात्राओं तक पहुंचाना है जो जागरूकता के अभाव में उच्च शिक्षा में प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्य हेतु महाविद्यालय में एक टीम गठित की गई है जिसमें वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बी एल राय तथा डॉ एस के उदयपुरे सम्मिलित हैं। प्राध्यापकों ने शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल जुमेराती तथा एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल नर्मदापुरम के विद्यार्थियों से संवाद किया उन्हें प्रवेश प्रणाली विषय चयन प्रक्रिया, कौशल विकास इंटर्नशिप ,परियोजना कार्य और रोजगार परक शिक्षा पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इसमें विभिन्न छात्रवृत्तियों जैसे गांव की बेटी, प्रतिभा किरण ,पोस्ट मैट्रिक, आवास योजना ,विशेष रूप से दिव्यांगों के लिए स्कालरशिप, मेधावी आदि योजनाओं के साथ एनसीसी एनएसएस खेलकूद एवं युवा उत्सव आदि गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया।

आज से मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन होगा

318 मतदान केंद्रों पर लोकसभा निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में 6 जनवरी 2024 को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 136 के 318 मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। 1 जनवरी 2024 की अहर्ता तारीख को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले समस्त 18 एवं 19 आयु वर्ग के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जोड़े जाने की कार्यवाही की जाकर बीएलओ एप के माध्यम से दर्ज समस्त फार्मो की जांच करके समस्त दस्तावेज अपलोड किए जाएंगे। प्रमोद सिंह गुर्जर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी मालवा एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण 6 जनवरी 2024 से 22 जनवरी 2024 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ना, मतदाता सूची से नाम काटना, तथा संशोधन की प्रक्रिया चलेगी 25 जनवरी को 14 वा

राष्ट्रीय मतदाता दिवस समस्त 318 मतदान केंद्रो पर मनाया जाएगा। 13 जनवरी एवं 20 जनवरी को मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कैंप आयोजित किए जाएंगे। 8 फरवरी 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। निर्वाचन शाखा प्रभारी पंकज परसाई ने बताया कि दावे आपत्ति के संबंध में मतदान केंद्र एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय सिवनी मालवा में कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रदेश मीडिया प्रभारी का स्वागत कर कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ सफाई कामगार अध्यक्ष संजय लुटारे के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी सूरज खरे से आकस्मिक मुलाकात परिचर्चा का संयोग बना. इस अवसर पर एनपीएस, साप्ताहिक अवकाश नियमितीकरण जैसे अन्य विषय पर बातचीत की गई उनके द्वारा नगरीय प्रशासन मंत्री व मुख्यमंत्री से इस विषय पर बात करेंगे कर्मचारियों की मांगो से अवगत करायेंगे ऐसा आश्वासन दिया गया है। किसी अन्य कार्यक्रम में श्री खरे प्रवास के दौरान आये थे. मजदूर संघ के कार्यालय डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी काम्प्लेक्स में ओपी रावत, मूरतीसिंह, सुखदेव भार्गव, कुंजीलाल मासतकर, विजय श्रीवास, विजय सराठे व अन्य उपस्थित लोगों के पुष्पहार से उनका स्वागत किया।

मेट्रो एंकर 15 दिनों में राजस्व अंतर्गत संचालित योजनाओं और प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाएं

राजस्व अधिकारी मैदानी स्तर पर, प्रशासनिक व्यवस्थाएं मजबूत रखें, विभागों की सतत मॉनिटरिंग करें: कलेक्टर

नर्मदापरम, दोपहर मेट्रो

राजस्व अधिकारी प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार अपने क्षेत्र में पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से काम करें। विभागीय कार्यो के साथ उपार्जन,योजनाओं के क्रियान्वयन ,सिंचाई ,कानून व्यवस्था आदि अन्य विभागों के कार्यो की भी सतत मॉनिटरिंग करें। फील्ड पर रहकर कार्यो की निगरानी करें। यह निर्देश नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि आवश्यकता अनुसार अपने न्यायालय दिवसो की संख्या बढ़ाकर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं। उन्होंने कोर्ट का सुचारू रूप से संचालन करने के निर्देश सभी एसडीएम ,तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को दिए। 1 वर्ष से अधिक के प्रकरणों के निराकरण में भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मीना ने स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन की भी विस्तार से समीक्षा कर अभियान चलाकर अगले 15 दिनों में शेष ग्रामों की ग्राउंड ट्रूथिंग में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि पटवारी की ड्यूटी लगाकर व्यवस्थित ग्राउंड ट्रुथिंग और नक्शा जमा कराने की कार्यवाही करें। स्वामित्व योजना अंतर्गत कार्ययोजना बनाकर ग्राउंड ट्रूथिंग से लेकर अंतिम प्रकाशन तक सभी कार्यवाही समयसीमा में की जाएं।

मुख्यमंत्री नगरीय भू आवासीय अधिकार योजना के प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा कर कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में तहसीलदार और सीएमओ के साथ बैठक कर प्रकरणों का निराकरण कराएं। उन्होंने तकनीकी समस्या के संबंध में ई गवर्नेंस मैनेजर और एसएलआर से संपर्क कर प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि तकनीकी समस्या के कारण प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहे.कलेक्टर सुश्री मीना ने पीएम किसान सम्मान निधि के हितग्राहियों की ई केवाईसी और एनपीसीआई कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वसूली में भी तेजी लाने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। उन्होंने उच्च न्यायालय के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर न्यायालय के प्रकरणों का उच्च प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए.

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की गंभीरता से समीक्षा कर कलेक्टर सुश्री मीना ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन जनशिकायतों के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनकी समस्याओं का संतुष्टि के साथ समाधान कराएं। 50 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतों के निराकरण में भी विशेष ध्यान दें। इसी प्रकार लोकसेवा गारंटी एवं जनसुनवाई में आए आवेदनों का भी निराकरण कराएं। आमजनों को अपनी समस्याओं के लिए दूर दराज से जनसुनवाई में ना आना पड़ें। मैदानी स्तर पर ही वाजिब समस्याओं का समाधान किया जाएं। उन्होंने लंबित ऑडिट कंडिकाओं और वन ग्रामों से राजस्व ग्राम हुए ग्रामों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। फोटो निर्वाचक नामावली 2024 की प्रारंभिक गतिविधियां शुरू हो गई है।

छोटे बच्चों को स्कूल जाने में हो रही परेशानी, शाम 5 बजे से ही गिरता है कोहरा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शीतलहर के कारण सर्दी का सितम जारी है घरों से निकलने में लोगों की हालत खराब हो रही है। तीन दिन पहले हल्की बारिश के बाद मौसम में हुए बदलाव के बाद कप-कप देने वाली सर्दी का दौर चल रहा है। दूसरी ओर शुक्रवार को शाम 5 बजे से ही ओस गिरने लगी थी घने कोहरे असर दिखाई देने लगा था इसकी वजह से सर्दी के कारण लोगों की हालत खराब हो रही थी। फसलों में भी पाला पड़ने की संभावना बढ़ गई सबसे ज्यादा नुकसान इस समय सब्जियों होने का डर किसानों को सता रहा है। शीतलहर भी चल रही है ठंड के कारण सड़कों पर सन्नाटा छाया हुआ था जल्दी अंधेरा छा जाने के कारण रात जैसा दिखाई दे रहा था वाहन चालकों को अपनी लाइट जला कर वाहन चलाने पड़े थे फिर भी कुछ नजर नहीं आ रहा था इसी तरह आने वाले दिनों में मौसम खराब रहने की संभावना जाहिर की है। कड़की की सर्दी का सितम जा रही है। फिर भी स्कूलों की छुट्टी नहीं होने से छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है सर्दी के सितम को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी कलेक्टर को करनी चाहिए जिससे कि बच्चों को सर्दी के कारण किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुस्लिम महासभा का स्थापना दिवस गरीबों में कंबल एवं फ्रूट बांटकर मनाया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मुस्लिम महासभा जिला विदिशा अध्यक्ष एडवोकेट शोएब खान द्वारा मुस्लिम महासभा के स्थापना दिवस पर गरीबों को ठंड से बचने के लिए कंबल बांटे एवं फल फ्रूट बांटकर मुस्लिम महासभा का स्थापना दिवस मनाया गया कंबल में भोपाल स्थित शाही जमील होटल आरिफ खान द्वारा सहयोग किया गया वहीं एडवोकेट शोएब खान ने बताया कि मुस्लिम महासभा की स्थापना सन 2007 में मरहूम यूनुस खान द्वारा की गई थी जिसका उद्देश्य तंजीम तालीम तिजारत और तरक्की एवं हिंदू मुस्लिम एकता को साथ लेकर चलने के उद्देश्य से बनाया गया था वही एकता की मिसाल देते हुए सभी को चैन सुकून से रहने एवं देश में अमन चैन बनाने के लिए भाईचारा रखने को कहा गया, इस मौके पर मुस्लिम महासभा के ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ खान, मुफ्ती जावेद खान मोहम्मद शुजा इकबाल मौजूद रहे।

सैंपल लेने के लिए देर रात्रि पहुंची खाद्य विभाग की टीम, हुआ विवाद मामला पहुंचा थाने

टीम ने थाने में की व्यापारी की शिकायत, पुलिस ने व्यापारी के खिलाफ किया मामला दर्ज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के किराना व्यापारियों की दुकानों पर खाद्य एंव औषधि विभाग की टीम द्वारा सैंपल लेने को लेकर दुकानदार व टीम के बीच झगड़ा हो गया। वही इस झगडें ने इतना तुल पकड़ा कि यह मामला पुलिस थाने पहुच गया और प्रकरण दर्ज हुआ। इसके बाद किराना व्यापार संघ ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौपा। जैसा कि व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि सहायक खाद्य अधिकारी ने 15 हजार रूपये की मांग की थी। उल्लेखनीय है कि सहायक खाद्य अधिकारी श्रीमति किरण श्रीवास्तव एंव संदीप वर्मा की जब से सिरोंज में पदस्थापना हुई तभी से यह विवाद स्पद रही है।

आखिर क्या है मामला -

4 जनवरी गुरूवार को रात्रि 9 से 10 बजें के आसपास जब खाद्य एंव औषधि विभाग की टीम जिसमें सहायक खाद्य अधिकारी श्रीमति किरण श्रीवास्तव व संदीप वर्मा चांदनी चौक स्थित गौरव टेड्डर्स पर सैपंल लेने पहुची। उक्त व्यापारी राजेन्द्र कुमार जैन आँटो से उतरते हुए दोनो व्यक्तियों को सीधे दुकान के अंदर प्रवेष किया तो व्यापारी ने यह समझा की शायद मेरे घर महमान आए है। व्यापारी ने दोनो व्यक्तियों को अंदर आने दिया। जब टीम व्यापारी की दुकान पर पहुची तो वह समय व्यापारी का दुकान बंद करने का था। जैसे ही टीम ने फूंगवली दाने व मिस्री का सैपंल का बोला तो जब व्यापारी को मालूम पडा कि यह खाद्य विभाग की टीम है। जैसे ही टीम ने अपनी कार्यवाही शुरू की तो दुकान के बाहर आसपास के व्यापारियों की भीड एकत्रित हो गई। तभी दुकान संचालक राजेन्द्र कुमार जैन से संदीप वर्मा व श्रीमति किरण श्रीवास्तव ने 15 हजार रूपये देने की मांग की तो इस पर व्यापारी ने किराना व्यापार संघ के अध्यक्ष व अपने परिजनों को बुला लिया। तो वही काफी देर तक दोनो पक्षों में बहस चलती रही और मामला शांत हो गया।

पहली बार जांच टीम बगैर एसडीएम की परमिशन व बिना पुलिसकर्मी के साथ जांच करने पहुची – कई वर्षो से देखा जा रहा है कि खाद्य विभाग की टीम जब जब जांच करने के लिए सिरोंज आई। तब टीम द्वारा पहले एसडीएम से मिलकर उनके दिषा निर्देश लेकर टीम जांच प्रारंभ करती थी और जब टीम जांच करने के लिए शहर में निकलती थी तो टीम के साथ एसडीएम द्वारा पुलिसकर्मी भेजे जाते थें। लेकिन जब उक्त जांच टीम जांच करने निकली तब न तो टीम ने एसडीएम को कोई जानकारी दी और न ही सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों को अपना साथ लिया। आखिर पुलिसकर्मी और स्थानीय वरिष्ठ अधिकारियों को कोई सूचना नही देना कई प्रश्न चिन्ह खडें हो रहें है। आखिर जांच टीम में दो अधिकारी ही क्यों जांच करने पहुचतें है।

खाद्य विभाग की टीम पहुची पुलिस थाने

रात्रि 10 बजें के आसपास सहायक खाद्य अधिकारी श्रीमति किरण श्रीवास्तव व उनके सहयोगी संदीप वर्मा पुलिस थाने पहुचें। वही उन्होने चांदनी चौक स्थित गौरव टेड्डर्स के संचालक राजेन्द्र कुमार जैन व किराना व्यापार संघ के अध्यक्ष सुनील जैन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया। इस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए राजेन्द्र जैन व सुनील जैन के खिलाफ धारा 353,186,427,34 के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया। वही प्रकरण दर्ज होने के बाद खाद्य विभाग की टीम पुलिस को अपने साथ लेकर व्यापारी की दुकान पर पहुची।

एसडीएम के पास पहुचा किराना व्यापार संघ

खाद्य एंव औषधि विभाग की इस कार्यवाही के बाद देर रात्रि में किराना व्यापार संघ की बैठक आयोजित की गई। इसके बाद शुक्रवार को किराना व्यापार संघ के सदस्यों ने एसडीएम कार्यालय पहुचकर एसडीएम हर्षल चौधरी को एक ज्ञापन सौपा। जिसमें उल्लेख किया गया कि आए दिन खाद्य एंव औषधि विभाग के अधिकारियों द्वारा व्यापारियों को प्रताड़ित एंव धमकाया जा रहा है। व्यापारियों से पैसो की मांग की जाती है और झूठे आरोप एंव सजा की कहकर डराया धमकाया और केस दर्ज किया जाता है। व्यापारियों से मोटी रकम मांगी जाती है और यदि व्यापारी द्वारा रकम न दी जाए तो व्यापारी के खिलाफ झूठे आरोप दर्ज किए जाते है। यदि कोई व्यापारी उनसे अपनी सत्यता बताकर बहस करता है तो उसकी थाने में एफआईआर दर्ज की जाती है। ऐसा ही एक प्रकरण गुरूवार की रात्रि 9 बजें के आसपास हुआ जिसमें गौरव ट्रेडर्स चांदनी चौक किराने की दुकान पर संदीप वर्मा एंव किरण श्रीमति किरण श्रीवास्तव पहुची और प्रोपराईटर राजेन्द्र कुमार जैन से 15 हजार रूपये की मांग की। वही व्यापारी द्वारा पैसे न देने के कारण और बहस होने पर खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा थाने पहुचकर झूठी एसआईआर दर्ज कराई गई। साथ ही व्यापारियों ने जब किराना व्यापार संघ के अध्यक्ष सुनील जैन को मौके पर बुलाया तो उनके समझाने पर भी टीम उनसे बहस करने लगी। साथ ही खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा गलत शब्दों का प्रयोग किया। वही व्यापारियों ने मांग करते हुए कहा कि दोषी अधिकारियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर व्यापारी पर दर्ज की गई एसआईआर को समाप्त किया जाए।

एडवोकेट संजीव पालीवाल ने खाद्य अधिकारी पर लगाए आरोप

एडवोकेट संजीव पालीवाल ने सहायक खाद्य अधिकारी किरण श्रीवास्तव एंव उनके सहयोगी संदीप वर्मा की कई गंभीर शिकायते मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव एंव कलेक्टर विदिषा,लोकायुक्त में की गई है। श्री पालीवाल नें खाद्य अधिकारी किरण श्रीवास्तव पर सिरोंज में वाटर प्लांटों को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए है। उक्त जानकारी एसडीएम हर्षल चौधरी को भी दी गई है।

टीम ने 2-2 किलों मावे के लिए सैंपल

पिछले चार दिन से खाद्य विभाग की टीम जिसमें सहायक खाद्य अधिकारी श्रीमति किरण श्रीवास्तव,संदीप वर्मा मिठाईयों की दुकानों व मावा विक्रताओं के सैंपल लिए जा रहें है। इसको लेकर मिठाई व मावा विक्रेताओं में हडकंप मची है। हद तो जब हो गई जब हाथ ठेले पर प्रतिदिन मावा खरीदने वाले छोटे छोटे व्यापारियों के मावे का सैंपल लेने टीम जब पहुची तो टीम ने सैंपल के नाम पर 2 - 3 किलों मावे के पैकेट व्यापारी से बनवा लिए और टीम के आगें हाथ जोडकर व्यापारियों ने कहा कि साहब हम रोज कुआं खोद कर पानी पीते है हमारे साथ ऐसे मत करों सैपल के लिए 2 किलों मावा कौन लेता है। इसी तरह मिठाई दुकानदार भी परेषान है उनका भी आरोप है कि कब तक हम मिठाई व नमकीन के सैंपल के नाम पर 2 से 5 किलों मिठाईया देते रहें।

इनका कहना है -

में हाईकोट के निर्देश पर सैंपल लेने पहुची थी। मेरे साथ दुकानदार ने बततमीजी की इसलिए मुझे पुलिस थाने में रिर्पोट करने पड़ी। जो आरोप मेरे ऊपर लगाए जा रहें है वह गलत है।

***किरण श्रीवास्तव,** सहायक खाद्य अधिकारी विदिशा।*

यह सही है कि खाद्य विभाग की टीम जब भी सिरोंज में आती है तो हमसे दिषा निर्देशलेती है और हम टीम के साथ राजस्व विभाग के एक अधिकारी व पुलिसकर्मी को साथ भेजते है। लेकिन खाद्य विभाग की टीम ने हमें न तो कोई सूचना दी और न ही कोई दिषा निर्देष प्राप्त किए। व्यापारियों की भी गलती है यदि कोई ऐसा मामला हुआ था तो मुझे बताना चाहिए था। यदि पैसे का कोई लेनदेन का मामला था तो हम कार्यवाही करते। किराना व्यापार संघ का ज्ञापन मुझे प्राप्त हुआ है मैने इस संबध में कलेक्टर महोदय को उक्त ज्ञापन भेजा है। जैसे ही जो कलेक्टर महोदय के दिषा निर्देशप्राप्त होगें हम उसी आधार पर कार्यवाही करेगें। पैसे के लेनदेन के मामले में जरूर जांच की जाएगी।

***हर्षल चौधरी,** एसडीएम सिरोंज।*

व्यापारी बोले

पिछले माह से व्यवस्थाए न होने के कारण बन रहें प्रकरण - जब किराना व्यापार संघ एसडीएम को ज्ञापन देने पहुचा तो व्यापारी वर्ग चिल्ला चिल्लाकर कह रहा था कि पिछले तीन चार माह से व्यवस्थाए नही हो पाई। इस कारण हमें परेशान किया जा रहा हैं। इसके पूर्व जो खाद्य विभाग के अधिकारी थे उन्होने हमें कभी परेशान नही किया। वर्तमान में जो खाद्य विभाग के अधिकारी सिरोंज में पदस्थ है इनकी मांगे हम पूरी नही कर सकते इसलिए टीम द्वारा हमें परेशान किया जा रहा है। आखिर ऐसी कोई सी मांगे है जो अधिकारियों की पूरी नही हो पा रही। इसको लेकर जनचर्चा का विषय बना हुआ है।

विद्यालय में जाकर छात्राओं को समझाई प्रवेश प्रक्रिया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत आज शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरोंज की कॉलेज चलो समिति द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिरोंज में विद्यालय के प्रार्थना के समय वर्ष 20249 25 की प्रवेश प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। विद्यार्थियों को प्रथम चरण में ही पंजीयन करने के लिए प्रेरित किया गया।उच्च शिक्षा विभाग की चल रही विभिन्न हित ग्राही योजनाओं के बारे में छात्राओं को बताया गया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज शर्मा एवं स्टाफ ने अच्छा सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ.लालचंद राजपूत ने बताया कि कॉलेज चलो अभियान 31 जनवरी 2024 तक चलेगा। इस अवसर पर कॉलेज चलो अभियान समिति के संयोजक डॉ आर के वाखला ने कहा कि सत्र 2024 925 में प्रवेश लेने हेतु विद्यार्थियों को यदि कोई भी प्रश्न या शंका हो तो फोन कर अपनी समस्या का निराकरण/समाधान कर सकते हैं। विद्यार्थियों का हमेशा सहयोग किया जाएगा।

नपा के विशेष सफाई अभियान में, नगर वासियों को स्वच्छता के प्रति कर रहे हैं जागरूक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद के द्वारा शहर को साफ-साफ और सुंदर बनाने के लिए विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है ।जिसके तहत शुक्रवार को वार्ड नंबर 4 में नगर पालिका सफाई कर्मचारियों के द्वारा विशेष सफाई करवा कर दवा का छिड़काव भी किया गया नाले नालियों में से गंदगी निकालकर नगर पालिका के ट्रैक्टर ट्रालियों से उसको टचिंग ग्राउंड में डलवाने का काम किया गया इसके साथ ही नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू, स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना के द्वारा नगर वासियों को साफ सफाई के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि घरों से निकलने वाले गंदगी को सड़क और नाली में ना डालें नगर पालिका की कचरा गाड़ी में ही डालें सुखी तथा गीले कचरे को रखे इसके लिए सभी लोग अपने-अपने घरों पर डस्टबिन रखें सभी लोग हमारा सहयोग करें घर और शहर एवं अपने-अपने वार्ड को साफ-बनाने में सहयोग करें। विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर नगर में विशेष सफाई अभियान नगर पालिका परिषद के द्वारा प्रारंभ किए गए इसमें वर्षों पुरानी नालियों की भी सफाई की जा रही है।

मेट्रो एंकर स्वास्थ्य प्रमाण पत्र हर रोज एक ही डॉक्टर के हस्ताक्षर से ही जारी

बिना सक्षम अधिकारी पशुबध के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पशु चिकित्सालय के होनहार पशु चिकित्सा अधिकारी एक साथ कुरवाई और सिरोंज में एक ही तारीख़ में दो दो स्थानों पर अपनी कर्तव्य निष्ठा को अति निष्ठा के साथ कर रहे हैं। जिसके परिणाम स्वरूप कुरवाई में रहते हुए सिरोंज पशु चिकित्सालय में भी पशुओं का स्वास्थ परिक्षण कर उन्हें कटने के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी कर देते हैं। शुक्रवार को जब हमारी टीम सिरोंज पशु चिकित्सालय में पशु बध के लिए आवश्यक स्वास्थ्य प्रमाण पत्रों की जानकारी लेने के लिए पहुंचे तब वहा पर उपस्थित डॉक्टर चंद्रप्रकाश माहेश्वरी ने बताया की उनके द्वारा किसी प्रकार के पशु के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता ,यह काम मुख्य रूप से एम एल मालवीय द्वारा देखा जाता है। एम एल मालवीय पशु चिकित्सालय में उपस्थित नही थे वह विकसित भारत संकल्प यात्रा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बिना किसी सक्षम पशु चिकित्सा अधिकारी के इसके बाद भी करीब सत्रह स्वास्थ्य प्रमाण पत्र दिनांक पांच जनवरी सन् दो हजार चोविस को आज दिनांक को ही जारी पास नगर पालिका सिरोंज को दोपहर बारह बजे तक प्राप्त हुए। प्रभारी चिकत्सा अधिकारी रवि शंकर उपाध्याय जो कि मूल रूप से कुरवाई में पदस्थ हैं उन्हें ही सिरोंज विकासखंड में प्रभार दिया गया है जिसके चलते एक सप्ताह में तीन दिन उन्हें विकासखंड सिरोंज में अपनी सेवाएं देना है लेकिन डॉक्टर रवि शंकर उपाध्याय महीने में एक दो बार ही सिरोंज विकासखंड में आते हैं। बाबजूद इसके उलट स्वास्थ्य प्रमाण पत्र लगभग हर रोज डॉक्टर रवि शंकर उपाध्याय के हस्ताक्षर से ही जारी होते हैं।

पड़े और बकरो का मांस खाने वाले लोगो के स्वास्थ्य से हो रहा है खिलवाड़

जानवारो से प्राप्त होने वाले मांसाहरी भोजन का स्वस्थ पर कोई बुरा प्रभाव ना पड़े इसलिए आवश्यक है कि पशु बध से पहले उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जावे परंतु जब वही स्वास्थ परिक्षण केवल कागजों तक ही सीमित हो कागज में ही स्वास्थ्य परीक्षण अधिकृत पशु चिकित्सक द्वारा कर दिया जावे तो उसे खाने वाले लोगो के स्वास्थ्य से खिलवाड़ चिंताजनक है।

अनुपस्थित रहने वाले डॉक्टर सांठ-गांठ से जारी करते हैं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

पशु चिकित्सालय से प्राप्त होने वाले स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के बाद ही नगरपालिका पशु बध के लिए पास जारी करती है और पशु स्वास्थ्य है या नहीं यह देखे बिना ही सिरोंज पशु चिकित्सालय के डॉक्टर उपाध्याय एडवांस ही स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी कर देते हैं। यह पूरा खेल पशु चिकित्सालय में स्टाफ की कमी के चलते होता है इसका फायदा इस व्यवसाय से जुड़े हुए लोग उठा लेते हैं इन व्यवसायियों को पशु को स्वास्थ प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ना ही पशु को चिकित्सालय लाना पड़ता और ना ही उन्हें किसी प्रकार की बीमार ग्रस्त पशु के स्वस्थ होने वाले फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता। इस तरह का काम बिना साठ गांठ के संभव नहीं।

इनका कहना है

में आज कुरवाई हूं कल सिरोंज आकार ही आपको जानकारी उपलब्ध करा सकूंगा।

डॉक्टर रवि शंकर उपाध्याय
प्रभारी पशु चिकित्सा अधिकारी सिरोंज

विराट साल 2022 में हो गए थे बाहर, अब हुआ 4 स्थान का फायदा

विराट कोहली टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर

दुबई, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में टॉप-10 में वापसी हो गई है। वहीं वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल से एक स्थान पीछे हैं। टी- 20 में स्पिनर रवि बिश्नोई को फायदा हुआ है। ऑलराउंडर्स की टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा टॉप पर बने हुए हैं।

कोहली ने सेंचुरियन टेस्ट में 38, 76 रन की पारी खेली: कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन टेस्ट में 38, 76 रन की पारियां खेली थीं। इससे उन्हें रैंकिंग में चार स्थान का फायदा हुआ है और वे नौवें नंबर पर आ गए हैं। उनके 761 रेटिंग पॉइंट हैं। कोहली 2022 में टॉप-10 से बाहर फिसल गए थे।

■ स्टीव स्मिथ तीसरे नंबर पर

आईसीसी की ताजा टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में केन विलियमसन टॉप पर बने हुए हैं, जबकि जो रूट दूसरे स्थान पर हैं। वहीं स्टीव स्मिथ तीसरे नंबर पर हैं। डेरिल मिचेल को 3 स्थान का फायदा हुआ है। वे चौथे नंबर पर आ गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में जडेजा टॉप पर बने हुए हैं। उनके 446 अंक हैं। जबकि रविचंद्रन अश्विन 348 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं बांग्लादेश के साकिब अल हसन तीसरे नंबर पर हैं। वहीं टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन टॉप पर हैं।

■ टी-20 में रवि बिश्नोई दूसरे स्थान पर पहुंचे

टी-20 की गेंदबाजों की रैंकिंग में स्पिनर रवि बिश्नोई दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ है। उनके 785 अंक हैं। अदिल रशिद 726 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। बिश्नोई के अलावा कोई भी भारतीय गेंदबाज टी-20 रैंकिंग में टॉप 10 में शामिल नहीं है। सूर्यकुमार यादव टी-20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर हैं। टी-20 की गेंदबाजों की रैंकिंग में स्पिनर रवि बिश्नोई को एक स्थान का फायदा हुआ।

■ वनडे में बैटर शुभमन गिल दूसरे नंबर

वनडे बैटिंग रैंकिंग में शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं। विराट तीसरे और रोहित शर्मा चौथे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का टॉप पर कब्जा है। वहीं वनडे में मोहम्मद सिराज तीसरे नंबर पर हैं।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट

नडाल को क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन थॉम्पसन ने हराया

ब्रिस्बेन, एजेंसी

राफेल नडाल के ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलने को लेकर संशय है। एक साल बाद ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से टेनिस में वापसी करने वाले नडाल को क्वार्टर फाइनल के दौरान पुरानी चोट उभरने के बाद मेडिकल टाइम भी लेना पड़ा। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन थॉम्पसन ने 5-7 7-6(6) 6-3 से हराया। मैच के बाद नडाल ने कहा उम्मीद है कि मैं जल्द ही ट्रेनिंग पर वापसी करूंगा और ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा ले सकूंगा, हालांकि मैं 100 प्रतिशत आश्वत नहीं हूं। साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन 14 जनवरी से शुरू होना है।

एक साल बाद चोट से ब्रिस्बेन से की थी वापसी

नडाल ने करीब एक साल के बाद प्रोफेशनल टेनिस में वापसी की थी। वे जनवरी 2023 में चोटिल हो गए और इसके बाद ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से वह फिर से लौटे। पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर में हार गए थे। वह कूल्हे की समस्या से जूझ रहे थे और जून में सर्जरी के बाद उनका साल का सीजन खत्म हो गया था। नडाल ने करीब एक साल के बाद प्रोफेशनल टेनिस में वापसी की थी। नडाल ने मैच के बाद कहा कि बायें कूल्हे में दर्द उसी जगह पर थी, जिसका मैंने पिछले साल जून में ऑपरेशन कराया था। थकान की वजह से मांसपेशियों में थोड़ा दर्द महसूस हुआ था।

इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराया, टी-20 सीरीज में भारत 1-0 से आगे

मुंबई, एजेंसी

इंडिया विमेंस टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टी-20 में 9 विकेट से हरा दिया। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया टीम 19.2 ओवर में 141 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत ने 17.4 ओवर में ही एक विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया। इंडिया विमेंस से स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने फिफ्टी लगाई। दोनों ने 137 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप कर टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। भारत से तितास साधु ने 17 रन देकर 4 विकेट झटके। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने 33 रन के स्कोर पर ही 4 विकेट गंवा दिए। एलिसा हीली 8 और बेथ मूनी 17 रन बनाकर आउट हुईं। जबकि ताहलिया मैक्ग्रा और एलेसे गार्डनर खाता भी नहीं खोल सकीं।

मेट्रो बाजार

डिमैट अकाउंट ओपनिंग का दिसंबर माह में रिकॉर्ड बना

मुंबई, एजेंसी

दिसंबर 2023 में डिमैट अकाउंट ओपनिंग का रिकॉर्ड बना है। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विस और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में खोले गए डीमैट खातों की संख्या कुल 41.78 लाख से अधिक थी। जबकि एक महीने पहले यह संख्या 27.81 लाख और एक साल पहले 21 लाख थी। कुल डीमैट अकाउंट की संख्या 13.93 करोड़ को पार कर गई है, जो एक महीने पहले से 3.1 फीसदी और एक साल पहले से 28.66 फीसदी अधिक है। डीमैट खातों में उछाल के तीन कारण है इसमें शेयर बाजार लगातार नया हाई बना रहा है और इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी, पॉजिटिव लिस्टिंग्स से भी निवेशकों का भरोसा बाजार में बढ़ा है। एक अन्य एनालिस्ट ने कहा कि हालिया अस्थिरता और मुनाफावसूली के बावजूद बाजार में तेजी बने रहने की उम्मीद है। 2023 में, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों 18.8% और 20% बढ़े। वहीं ब्रॉड मिडकैप और ब्रॉड स्मॉलकैप ने 45.5 फीसदी और 47.5 फीसदी की छलांग लगाई। बाजार की तेजी ने फोमो यानी, फियर ऑफ मिसिंग आउट को बढ़ावा दिया है। इससे दिसंबर में डीमैट खातों में बढ़ोतरी हुई। वहीं पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में से 3 में बीजेपी को बहुमत मप्र, छग, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में हाल ही में हुए चुनावों के नतीजों से संकेत मिलता है कि अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर मोदी सरकार बन सकती है। बाजार इसे इकोनॉमी के लिए पॉजिटिव मान रहा है।

न्यू जनरेशन क्रेटा में एडवांस सेफ्टी फीचर

नईदिल्ली, एजेंसी

हुंडई मोटर इंडिया ने अपकमिंग मिड साइज एसयूवी क्रेटा के सेफ्टी फीचर्स और मैकेनिकल स्पेक्स का खुलासा किया है। न्यू जनरेशन हुंडई क्रेटा में लेवल-2 एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम सहित 70 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे। इसमें दक्षिण कोरियाई कार मेकर कंपनी फेसलिफ्टेड क्रेटा को 16 जनवरी 2024 को लॉन्च करेगी। यह 7 वैरिएंट्स में आएगी। इसकी बुकिंग शुरू कर दी गई है। बायर्स इसे 25,000 रुपए का टोकन अमाउंट देकर ऑथिराइज्ड डीलरशिप से या ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। हुंडई ने सेकेंड जनरेशन क्रेटा को भारत में 2020 में लॉन्च किया था। इसके बाद अब थर्ड जनरेशन में इसे पहला बड़ा अपडेट मिलने जा रहा है।

सिमरनजीत पुरुष और रजनी इतिमारपु महिला टीम की कमान संभालेंगे

हॉकी महिला विश्वकप 24 तो पुरुषों की स्पर्धा 28 जनवरी से होगी शुरू

मुंबई, एजेंसी

हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी 5 विश्वकप के लिए महिला और पुरुष टीम की घोषणा की। हॉकी इंडिया ने कहा कि सिमरनजीत सिंह पुरुष और रजनी इतिमारपु महिला टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने कहा कि हॉकी महिला विश्वकप 24 से 27 जनवरी तक तथा पुरुषों की प्रतियोगिता 28 जनवरी से 31 जनवरी तक होगी। उन्होंने बताया कि भारतीय महिला टीम का नेतृत्व अनुभवी गोलकीपर रजनी एतिमारपु करेंगी और उप कप्तान डिफेंडर महिमा चौधरी को बनाया गया है। दूसरे गोलकीपर के रूप में बंसारी सोलंकी और डिफेंडर के रूप में अक्षता अबासो ढेकाले और ज्योति छत्री शामिल हैं। मिडफील्डरों में मारियाना कुजूर और मुमताज खान को नामित किया गया है जबकि अजमीना कुजूर, रुताजा दादासो पिसल और दीपिका सोरेंग को फॉरवर्ड के रूप में नामित किया गया है। भारतीय पुरुष टीम में अनुभवी फारवर्ड सिमरनजीत सिंह, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता, डिफेंडर मनदीप मोर के साथ टीम का नेतृत्व करेंगे। गोलकीपर सूरज करकेरा, प्रशांत चौहान, मंजीत के साथ मंदीप मोर शामिल होंगे।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

हर नई फिल्म के साथ एक कंट्रोवर्सी में फंस जाती हैं दीपिका

बॉलीवुड की मौजूदा टॉप एक्ट्रेसेस में से एक दीपिका पादुकोण 38 साल की हो चुकी हैं। कभी बचपन में लिवाइस की एक जींस खरीदने का सपना देखने वालीं दीपिका आज उसी कंपनी की ब्रांड एम्बेसडर हैं। 16 साल के एक्टिंग करियर में 39 फिल्में कर 52 बड़े अवॉर्ड्स अपने नाम करने वालीं दीपिका हर नई फिल्म के साथ एक कंट्रोवर्सी में फंस जाती हैं। चाहे वो गोलियों की रासलीला: राम-लीला की टाइटल कंट्रोवर्सी हो, पद्मावत को लेकर नाक काटने पर इनाम रखने की कंट्रोवर्सी हो या फिर पठान से जुड़ी भगवा बिकिनी। बड़े विवादों के बावजूद दीपिका की ये तीनों ही फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हुईं। हालांकि साल 2019 में दीपिका के जेएनयू विजिट का सीधा असर उनकी फिल्म छपाक पर पड़ा और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। कई उतार-चढ़ाव के साथ दीपिका ने इंडस्ट्री में 16 कामयाब साल पूरे कर 39 फिल्में दीं और 52 अवॉर्ड अपने नाम किए। साल 2023 में दीपिका दो ब्लॉकबस्टर फिल्में जवान और पठान से करीब 2200 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली इकलौती एक्ट्रेस रहीं। वहीं 2023 में सबसे ज्यादा कंट्रोवर्सी में रहने वाली एक्ट्रेस भी दीपिका ही हैं। भगवा बिकिनी हो, तलाक की अफवाह हो या कॉफी विद करण में दिया गया उनका स्टेटमेंट। इन तमाम विवादों के बावजूद दीपिका पिछले 10 साल से टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। साल 2023 दीपिका के लिए बेहद खास रहा है। 2023 में उनकी दो फिल्में जवान और पठान रिलीज हुईं और दोनों ही फिल्मों ने रिकॉर्ड ब्रेकिंग कमाई कर कई बड़े रिकॉर्ड बनाए। खास बात ये रही कि दीपिका पादुकोण की इससे पहले रिलीज हुईं 3 फिल्में छपाक, 83 और गहराइयां कोई खास कमाल नहीं दिखा सकीं। शाहरुख को दीपिका का लकी चार्म कहना गलत नहीं होगा।

गौरी खान बोली- हम घर पर काम के बारे में कभी चर्चा नहीं करते...

शाहरुख खान और गौरी की शादी को 32 साल पूरे हो गए हैं। 25 अक्टूबर 1991 में दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख की वाइफ गौरी ने कहा कि कोई भी ऑफर इतना बड़ा नहीं हो सकता, जो उन्हें फिल्म करने के लिए लुभा सके। यहां तक कि गौरी खान ने टीवी तोड़ने और स्क्रिप्ट को खिड़की से बाहर फेंकने की भी बात शेयर की। शाहरुख बॉलीवुड के बादशाह हैं तो वहीं गौरी भी एक फेमस इंटीरियर डिजाइनर हैं। एक इंटरव्यू के दौरान गौरी ने कहा- हम घर पर काम के बारे में कभी चर्चा नहीं करते। अगर शाहरुख कभी हिंदी फिल्म का वीडियो देखने बैठ जाएं तो मुझे लगता है कि मैं टीवी तोड़ दूं। वहीं अगर वो कोई स्क्रिप्ट घर पर लेकर आते हैं, तो मैं स्क्रिप्ट सीधे खिड़की से बाहर फेंकने की बात करती हूं। शाहरुख के पास सेट पर इन सबके लिए काफी समय होता है। इसलिए मेरा मानना है कि उन्हें ये सब सेट पर ही करना चाहिए। मजे की बात ये है कि शुरुआती दिनों में फिल्म प्रोड्यूसर भी शाहरुख से घर पर तभी मिलने जाते थे जब गौरी घर में नहीं होती थीं। हालांकि बाद में शाहरुख ने अपना ऑफिस घर के सामने वाले कमरे में शिफ्ट कर दिया था। गौरी ने आगे ये भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री का कोई भी ऑफर इतना बड़ा नहीं हो सकता, जो उन्हें फिल्म करने के लिए लुभा सके। गौरी एक्टिंग को सबसे खराब प्रोफेशन मानती हैं।

गौरी को शुरु में मुंबई से नफरत हो गई थी

1991 में शाहरुख खान से शादी के बाद गौरी मुंबई आ गई थीं। शुरुआत में उनके लिए शहर में तालमेल बिठाना थोड़ा मुश्किल था। उन्होंने कहा- मुझे मुंबई से नफरत हो गई थी। मैं परिवार को याद किया करती थी। मैं शहर में किसी को जानती भी नहीं थी। हालांकि धीरे-धीरे मैंने दोस्त बनाए और फिर मुझे शहर में मजा आने लगा। जिन डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स के साथ शाहरुख काम करते थे, मैं उनके साथ बातचीत करने से बचती थी। यहां तक कि मुझे ये भी नहीं पता होता था कि शाहरुख किन फिल्मों में काम कर रहे हैं। गौरी खान ने बतौर इंटीरियर डिजाइनर कई बॉलीवुड सेलेब्स के ऑफिस स्पेस और घरों को डिजाइन किया है।

मां को लगा मैं मर गई हूं- तनीषा

डेब्यू फिल्म की शूटिंग के वक्त एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी का भयानक एक्सीडेंट हो गया था और वो कोमा में चली गई थीं। उनकी हालत देख मां तनुजा का लगा था कि वो मर चुकी हैं। इस बात का खुलासा तनुजा ने हालिया इंटरव्यू में किया है। सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में तनीषा ने बताया, पहली फिल्म स्स्शह...की शूटिंग के वक्त मेरा एक्सीडेंट हो गया था। वो बहुत भयानक एक्सीडेंट था। मुझे चोट लगी थी और मैं कुछ समय के लिए बेहोश हो गई थी। उन्होंने आगे कहा- मुझे उन 3-4 दिनों की कोई याद नहीं है। आज भी मैं पीछे जाकर याद करने की कोशिश करती हूं, लेकिन याद नहीं आता वहीं, मेरी हालत देख मेरी मां को लगा था कि मैं मर गई हूं। वह बहुत डरी हुई थीं। झलक दिखला जा के एक एपिसोड के दौरान, तनीषा ने दुर्घटना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने साझा किया, जब मैं मनाली में अपनी पहली फिल्म स्स्शह की शूटिंग कर रही थी, डिनो (मोरिया), गौरव (कपूर), मैं और हमारे निर्देशक (पवन एस. कौल) एक कार में यात्रा कर रहे थे। मनाली में पिछला टायर फिसल गया और कार पलट गयी. बाकी सभी के हाथों में फ्रैक्चर हो गया, लेकिन मैं कार के बाहर गिर गया और उसके नीचे लुढ़क गया। मुझे मस्तिष्काघात हुआ था।

सिर की सूजन कम होने में एक साल लगे, फिर भी फिल्म पूरी की

इस एक्सीडेंट के बाद डॉक्टरों ने तनीषा से कहा था कि वो अब और काम नहीं कर सकतीं। मगर, फिल्म के डायरेक्टर की जिद थी कि तनीषा उनकी फिल्म पूरी करें। डायरेक्टर का कहना था कि अगर तनीषा शूटिंग पूरी नहीं करेंगी, तो उन्हें मजबूरीवश फिल्म को बंद करना पड़ेगा। तनीषा ने भी अपना वादा पूरा किया। सिर का सूजन कम होने में उन्हें एक साल लगा, लेकिन उन्होंने फिल्म पूरी की। इस फिल्म का डायरेक्शन पवन एस. कौल ने किया था। तनीषा के अलावा फिल्म में करण नाथ और डिनो मोरिया लीड रोल में थे।

सिल्वर स्क्रीन पर नहीं चला तनीषा का जादू

फिल्म स्स्शह के बाद तनीषा को फिल्म नील 'एन' निक्की, सरकार और टैंगो चार्ली जैसी फिल्मों में देखा गया था। हालांकि, इसके बावजूद वो सिल्वर स्क्रीन पर अपनी छाप छोड़ने में नाकामयाब रहीं और फिल्मों से दूरी बना ली। 2013 में उन्होंने बिग बॉस 7 में देखा गया था। इस सीजन की वो फर्स्ट रनरअप भी बनी थीं। फिलहाल वो झलक दिखला जा सीजन 11 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रही हैं।

नए कलेक्टर ने संभाला कामकाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर आशीष सिंह का आठ महीने के कार्यकाल के बाद ही उनको कलेक्टर इंदौर बनाने की वजह से उनकी जगह वर्ष 2010 बैच के आइएएस अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भोपाल कलेक्टर का पद संभाल लिया। बता दें कि आठ महीने पहले अप्रैल 2023 में भी कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भोपाल कलेक्टर बनाया गया था लेकिन बाद में उनको मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के एमडी की जिम्मेदारी सौंप दी थी। सिंह मूलत- हरदोई, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। वह पूर्व में ग्वालियर कलेक्टर के पद पर कार्यरत थे, इसके बाद उनका तबादला करते हुए उन्हें अपर सचिव, मुख्यमंत्री एवं अपर प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम भोपाल अतिरिक्त प्रभार पदस्थ किया गया था। उन्होंने लंबे समय तक ग्वालियर में कलेक्टर का कार्यभार संभाला था, वह कांग्रेस और भाजपा दोनों के समय कार्यरत रहे।

उन्होंने दिव्यांगों को राशन देने के लिए मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना की शुरुआत की थी, जिसकी खुद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरहाना की थी। उनको मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

डीआईजी ने दिए छात्रों को परीक्षा के टिप्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस परिवार के बच्चों के लिए पुलिस पब्लिक स्कूल दिशा अध्ययन केंद्र में करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में डीआईजी विनीत कपूर द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों को उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चो से परिचय लिया और परिवार में पारिवारिक जानकारी प्राप्त की। बच्चे किस प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे है यह भी जानकारी ली। इसके साथ ही दिशा अध्यन केंद्र में एमपीपीएससी, ,एसएससी, बैंक से संबंधित, शिक्षक वर्ग, नर्सिंग की परीक्षा आदि की तैयारी कर रहे पुलिस परिवार के बच्चों को परीक्षा की तैयारी की जानकारी दी। उन्होंने परीक्षा में स्लेबस ऑपसन एलिमेनेसन पर चर्चा करते हुए बच्चों मार्गदर्शन दिया। बच्चों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब एवं उनकी समस्याओं का निराकरण भी श्री कपूर ने किया। इस के बाद एसबीआई बैंक से आए सीनियर मैनेजर अनिल चौबे एवम विकास मिश्रा ने बैंक जॉब के बारे में बच्चो को जानकारी दी।

वारदात के समय पूरा परिवार शहर से बाहर गया हुआ था।

कोहेफिजा में दिनदहाड़े फ्लैट का ताला तोड़कर जेवर-नकदी चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा में एक प्लैट का ताला तोड़कर चोर दिनदहाड़े जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। वारदात के समय पूरा परिवार शहर से बाहर गया हुआ था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक दीपक पुरोहित (45) सिंधई अपार्टमेंट कोहेफिजा में रहते हैं और मीडिया हाउस के एकाउंट विभाग में काम करते हैं। बीती 28 दिसंबर को वह अपने फ्लैट पर ताला लगाकर परिवार समेत मनाली चले गए थे। गुरुवार को वापस लौटे तो फ्लैट का ताला खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो भीतर वाले कमरे का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखे सोने के टाप्स तथा 15 हजार रुपये नकदी गायब थे। दीपक ने पुलिस को बताया कि बदमाशों ने दिन के समय फ्लैट का ताला तोड़कर उक्त वारदात को अंजाम दिया है, क्योंकि रात के समय अपार्टमेंट के चैनल गेट पर ताला लगा दिया जाता है।

पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसी थानांतर्गत राधा अपार्टमेंट विजय नगर लालघाटी में रहने वाले आशीष सराफ के बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने बताया कि आशीष लखेरापुरा में कपड़े का व्यवसाय करते हैं। बीती 20 दिसंबर को उन्होंने अपार्टमेंट की पार्किंग में अपनी बाइक खड़ी की और फ्लैट में चले गए। अगले दिन सुबह देखा तो बाइक चोरी हो चुकी थी। कई दिनों तक तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने गुरुवार को थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पत्नी और बेटे से हुआ था विवाद

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नया बसेरा, कोटरा सुल्तानाबाद में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत से पहले उसका पत्नी और जवान बेटे से विवाद हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार स्वप्नजीत सहरिया (42) यहां नया बसेरा कोटरा में रहता था और दवाइयों की मार्केटिंग करता था। उसकी पत्नी अलग राजस्थान में रहती है और प्रायवेट काम करती है, जबकि बेटा भोपाल में ही रहता है। शुक्रवार को पत्नी और बेटा स्वप्नजीत के घर पहुंचे थे, जहां पारिवारिक बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। इसके बाद स्वप्नजीत बेसुध होकर घर में ही गिर पड़े। उन्हें इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि स्वप्नजी को हार्ट संबंधी समस्या थी और उनका आपरेशन हो चुका था।

गुनगा में युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। गुनगा इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक अजय कुशवाह पुत्र श्यामलाल कुशवाह (24) ग्राम कलारा में रहता था और मजदूरी करता था। वह काम पर जाने का कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। शुक्रवार दोपहर को परिजन खेत पर पहुंचे तो एक पेड़ पर उसकी लाश लटकी मिली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण

भोपाल। कमला नगर पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर परिचित युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक 28 वर्षीय युवत बैतूल की रहने वाली है। वहीं रहने वाले मुकेश नामक युवक से उसकी पहचान थी। मुकेश पीथमपुर में प्रायवेट काम करता है। युवती एमबीए की पढ़ाई के लिए भोपाल आई तो मुकेश का उसके यहां आना-जाना हो गया। इस दौरान मुकेश ने शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण किया। युवती ने जब शादी के लिए दबाव डाला तो उसने इंकार कर दिया। परेशान होकर पीड़िता ने थाने जाकर मुकेश के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। इधर रातीबड़ पुलिस ने बीस वर्षीय युवती की रिपोर्ट पर नाजिम नामक युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है।

आधा दर्जन बच्चों को आई चोट, पुलिस मामले की जांच में जुटी

ड्राइवर को आया चक्कर, अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरी स्कूल बस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के कोलार क्षेत्र के दानिश कुंज ब्रिज के पास शुक्रवार दोपहर बच्चों को लेकर जा रही सेज इंटरनेशनल स्कूल बस अनियंत्रित हो गई, हालांकि ड्राइवर की सूझ-बूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया। बस जैंसे ही अनियंत्रित हुई, ड्राइवर ने उसे खाली प्लाट की तरफ मोड़ दिया। जिसके बाद बस सड़क से उतर गई और पेड़ों को रौंदते हुए खाली पड़े प्लाट में पहुंच गई। इस दौरान बस में आठवीं, नौवीं और ग्यारहवीं के बच्चे और स्टाफ समेत करीब 40 लोग सवार थे। जिसमें करीब आधा दर्जन बच्चों को मामूली चोट आई, जिन्हे निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

यह है पूरा मामला

पुलिस के अनुसार, शाहपुरा स्थित सेज इंटर नेशनल स्कूल की एक बस शुक्रवार दोपहर करीब सवा तीन बजे विराशा हाईट्स के पास पहुंची, तभी अचानक बस के ड्रायवर हसीब खान को चक्कर आ गया। चक्कर आने पर बस अनियंत्रित होकर कट पाइंट पर डिवाइडर पर चढ़ते हुए दूसरी सड़क पर जा पहुंची। ड्रायवर को चक्कर आने के साथ ही उसके मुंह से झाग निकला था, जिसे तुरंत ही अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरी जांच के बाद पता चल पाएगा कि उसे चक्कर क्यों आया था। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जहरीला पदार्थ पीकर नाबालिग ने की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मी परिसर में 17 साल की नाबालिग ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे इलाज के लिए एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान आज सुबह करीब साढ़े 5 बजे उसकी मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार कुमारी दीपमाला पिता दिनेश पटकुम (17) लक्ष्मी परिसर प्रियंका नगर, कोलार में रहती थी। गत 4 दिसंबर को वह घर में उल्टी कर रही थी। परिजन ने उससे उल्टी करने का कारण पूछा तो उसने बताया कि जहर खा लिया है। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि आज पीएम के दौरान परिजन से पूछताछ की जाएगी।

धृति योजना : पुलिस परिवार की महिलाओं को सिलाई कढ़ाई, हैंडीक्राफ्ट का प्रशिक्षण

भोपाल। गोविंदपुरा थाने के पीछे महिला बैरिक में पुलिस परिवार की महिलाओं को धृति योजना के अंतर्गत डीआरपी लाइन से सिलाई कढ़ाई, हैंडीक्राफ्ट, बेकरी हेतु प्रशिक्षण उपलब्ध करवा कर उक्त विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे पुलिस परिवार की महिलाएं स्वयं को उक्त विधाओं में निपुण कर सकें और स्वाबलंबी बन सके। उक्त कार्य को प्रोत्साहन देने के लिए डीआरपी लाइन से एसीपी अंकिता खातरकर ने प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर महिलाओं को अधिक से अधिक इस कार्यक्रम में जुड़ने की अपील की।

मेट्रो एंकर | साइबर इनेबल्ड ह्यूमन ट्रैफिकिंग पर सेमिनार

साइबर अपराधियों से निपटने जागरुकता जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय, भोपाल में महिला सुरक्षा शाखा द्वारा 'सायबर इनेबल्ड ह्युमन ट्रेफिकिंग' विषय पर प्रज्जवला संस्था के सहयोग से आयोजित सेमिनार में तकनीक का प्रयोग कर मानव दुव्यार्पार के तरीकों और उन पर नियंत्रण पाने के लिए मंथन किया गया।

कार्यक्रम में एडीजी सायबर सेल योगेश देशमुख ने बताया कि तकनीक का इस्तेमाल लोगों के जीवन को सुविधाजनक बना रहा है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह उनके लिए खतरा भी है। मानव दुव्यार्पार में लिप्त लोग तकनीक के प्रयोग को अधिक सुरक्षित मानते हैं। वह तकनीक का उपयोग करने में शातिर हैं और आसानी से नागरिकों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। मध्यप्रदेश पुलिस लगातार ऐसे अपराधियों का डेटा बेस के आधार पर रणनीति तैयार कर मानव दुव्यार्पार रोक रही है।

महिलाएं और बच्चे ही नहीं, पुरुष भी मानव दुव्यार्पार के शिकार

प्रज्जवला की प्रोजेक्ट एडवाइजर डॉ. सुनीथा कृष्णन ने कहा कि तकनीक का उपयोग कर मानव दुव्यार्पार में लिप्त आरोपी, पीड़ित को गुमराह कर अपने झांसे में फंसाते हैं या लालच देकर उन्हें शोषण की ओर धकेला जाता है। यह केवल महिलाओं और बच्चों के साथ नहीं बल्कि पुरुष वर्ग भी हो रहा है। पहले यह माना जाता था कि केवल गरीब, अशिक्षित, विशेष समुदाय या जाति के लोगों के साथ इस तरह की घटनाएं होती हैं, चिंता का विषय यह है कि हमारे बच्चे भी इसका शिकार बन रहे हैं। उन्हें ऑनलाइन गेमिंग एप और वेबसाइट्स के माध्यम से सेक्सटॉर्शन की ओर धकेला जा रहा है।

कोरोना के बाद अचानक बढ़े मामले

प्रज्जवला टीम की प्रोजेक्ट क्रार्डिनेट स्वस्ति राणा ने कहा कि मानव दुव्यार्पार के लिए तकनीक का उपयोग अधिक बढ़ा है। दरअसल ऑनलाइन क्लासेस के लिए बच्चों के हाथ में मोबाइल पहुंच गया, जिसका फायदा उठाकर मानव दुव्यार्पार करने वालों ने बच्चों को शिकार बनाना शुरू किया। हमारी संस्था 11 राज्यों में शोध कर रही है, जिसके बाद सरकार के साथ मिलकर मानव दुव्यार्पार रोकने में नेशनल एक्शन प्लान बनाने में मदद मिलेगी।

अकेलापन महसूस करने वाली महिलाएं रहती हैं टारगेट

प्र रिसर्च ऑफिसर ताबिश अहसान ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को गुमराह कर मानव दुव्यार्पार की ओर धकेला जाता है। इनमें विशेषकर अकेलापन महसूस करने वाली महिलाएं और युवतियां मानव तस्करों के टारगेट पर होती हैं। उन्होंने बताया कि ऐसी महिलाओं की भावनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से समझते हुए पहले तो उनसे दोस्ती की जाती है और जीवनभर उनका साथ निभाने का झांसा देकर उन्हें मानव दुव्यार्पार का शिकार बनाया जाता है।

जोधपुर-भोपाल पैसेंजर ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शुक्रवार रात भोपाल आ रही जोधपुर-भोपाल पैसेंजर ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। यह हादसा कोटा जंक्शन के पास हुआ है। देर रात कोटा जंक्शन के पास जोधपुर-भोपाल पैसेंजर ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

वहीं इस हादसे के बाद मरम्मत का काम भी शुरू कर दिया गया है। चल रहा है।जानकारी के अनुसार रात 10 बजकर 45 मिनट पर जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस कोटा जंक्शन पर पहुंची थी। ट्रेन की गति काफी धीमी थी, इस दौरान एसी कोच क्रमांक चार और पांच के दो-दो पहिए पटरी से नीचे उतर गए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022